



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 55]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 1, 2007/फाल्गुन 10, 1928

No. 55]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 2007/PHALGUNA 10, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2007

निर्णायक समीक्षा

अंतिम जाँच परिणाम

विषय:- चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोटेशियम परमैंगनेट के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा।

क. जाँच शुरूआत

सं. 15/5/2006-डीजीएडी: वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, आकलन एवं उन पर शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का संकलन एवं क्षति के निर्धारण के लिए) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने अपने दिनांक 8 सितम्बर, 2001 के अंतिम जाँच परिणामों के माध्यम से चीन जन.गण., हाँगकाँग तथा चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोटेशियम परमैंगनेट (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की और दिनांक 27.05.2003 की अधिसूचना सं. 85/2003-सीमाशुल्क द्वारा यथा संशोधित दिनांक 01.11.2001 की अधिसूचना सं. 113/2001 के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा निश्चयात्मक शुल्क लगाए गए थे।

3. और यतः, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों अर्थात् मै0 ग्रुपस्टार्स केमिकल्स (युनान) चीन एल.एल.सी, चीन जन.गण. जो युनान प्रोविंस जियानशुई काउंटी केमिकल

इंडस्ट्री, चीन जन.गण., ग्रुपस्टार्स केमिकल एलएलसी, अमेरिका तथा बीजिंग जॉगुई युआंटोंग इन्वेस्टमेंट कंसलटेशन सेंटर, बीजिंग का संयुक्त उद्यम है, के अनुरोध पर लागू उपायों की मध्यावधि समीक्षा की और दिनांक 3 जून, 2005 की अधिसूचना के माध्यम से अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए जिसमें चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की। प्राधिकारी ने हॉगकाँग तथा चीनी ताईपेई के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लागू शुल्क को समाप्त करने की भी सिफारिश की।

4. और यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए केन्द्र सरकार ने दिनांक 14.09.2005 की अधिसूचना सं. 82/2005-सीशु के माध्यम से चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लागू शुल्क में संशोधन किया और हॉगकाँग तथा चीनी ताईपेई के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर शुल्क को समाप्त कर दिया।

5. और यतः, मै0 यूनीवर्सल केमिकल्स लि0, एक घरेलू उत्पादक जिनका संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है, द्वारा प्रस्तुत उचित रूप से प्रमाणित आवेदन के आधार पर प्राधिकारी ने अधिनियम की धारा 9क(5) के तहत यह जाँच करने के लिए कि क्या शुल्क को समाप्त किए जाने से पाटन और/अथवा क्षति के जारी रहने या पुनः प्रारंभ होने की संभावना है, दिनांक 3 मार्च, 2006 की अधिसूचना के जरिए चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा शुरू की। मै0 इशादिति केमिकल्स, संबद्ध वस्तु के एक अन्य उत्पादक, जिसने संबद्ध वस्तु की एक नई उत्पादन इकाई स्थापित की और जुलाई, 2005 में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ किया है, ने भी इसी के लिए एक अलग अनुरोध प्रस्तुत किया है।

6. और यतः, दिनांक 10.03.2006 की अधिसूचना सं. 26/2006-सी.शु. के जरिए केन्द्र सरकार ने धारा 9क(5) के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 12 मार्च, 2007 तक निश्चयात्मक शुल्कों को जारी रखा था।

ख. प्रक्रिया

7. इस जाँच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :-

- (i) निर्णायक समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और भारत में घरेलू उद्योग को नियम 6(4) के अनुसार जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियाँ भेजी।
- (ii) नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में सूचना दी गयी थी तथा उनसे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का अनुरोध किया गया था।
- (iii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गयी थी।
- (iv) जांच में 1 अक्टूबर, 2004 से 30 सितम्बर, 2005 तक की अवधि शामिल थी। क्षति जाँच में 2001-02 से 2004-05 और जाँच अवधि शामिल थे।
- (v) पिछले तीन वर्षों तथा जाँच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के आँकड़ों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था।

- (vi) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों से भी क्षति एवं क्षतिरहित कीमत के निर्धारणार्थ अपनी लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था :-
- (क) मै0 ईशादिति केम प्रा.लि., और
- (ख) मै0 लिबॉक्स केम (इ) प्रा.लि.
- (vii) मै0 ग्रुपस्टार्स केमिकल (युनान) चीन एलएलसी, चीन जन.गण. से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है। संबद्ध देश के किसी भी अन्य निर्यातक ने किसी भी पद्धति में जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का कोई उत्तर नहीं दिया है।
- (viii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी जाने वाली सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को उपलब्ध रखा है।
- (ix) प्राधिकारी ने संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया, उसे हुई क्षति की जाँच की और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और बिक्री की लागत और ईष्टतम उत्पादन लागत निकाली।
- (x) पाटन की मात्रा एवं सीमा और शुल्क की समाप्ति की स्थिति में पाटन की संभावना के निर्धारण के लिए संबद्ध देश के सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का भी सत्यापन किया गया।
- (xi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचार मौखिक रूप से जानने के लिए 9 जनवरी, 2007 को सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि और चीन से संबद्ध वस्तु के निर्यातक उपस्थित हुए थे। विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा इस जाँच परिणाम में विचार किया गया है।
- (xii) नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों और अपनाए जाने वाले निर्धारण के आधार को दिनांक 15 फरवरी, 2007 के प्रकटन विवरण के जरिए सामान्य प्रकटनों और गोपनीय प्रकटनों के रूप में ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर, जहाँ तक वे प्रासंगिक तथा साक्ष्यों द्वारा समर्थित थे, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस जाँच परिणाम में विचार किया गया है।
- (xiii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता संबंधी दावे के संबंध में जाँच की गई है। संतुष्ट होने पर जहाँ कहीं भी वांछित था, वहाँ प्राधिकारी ने गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय मानते हुए उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है। *** चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है;

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

8. मूल जाँच में विचाराधीन उत्पाद तथा पाटनरोधी शुल्क लगाया गया उत्पाद पोटेशियम परमैंगनेट है जो एक अकार्बनिक रसायन है। पोटेशियम परमैंगनेट एक गहरी बैंगनी दानेदार सामग्री है। यह मैंगनीज, पोटेशियम और ऑक्सीजन का यौगिक है। यह गंधहीन और जल में घुलनशील है। पोटेशियम परमैंगनेट का रसायनिक सूत्र केएमएनओ₄ है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2841.61 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह निर्णायक समीक्षा जाँच होने के कारण इस जाँच में केवल वही उत्पाद शामिल है जिस पर मूल जाँच में विचार किया गया था। विचाराधीन उत्पाद या समान वस्तु के मुद्दे पर किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है और

इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्माण किया जा रहा उत्पाद और संबद्ध देश द्वारा विनिर्मित एवं उत्पादित उत्पाद सभी प्रकार से समान हैं।

घ. घरेलू उद्योग एवं उसकी स्थिति

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के तीन ज्ञात उत्पादक अर्थात् मै0 यूनिवर्सल केमिकल्स, मै0 ईशादिति केमिकल्स प्रा0लि0 और मै0 लिबॉक्स केम (इ) प्रा.लि. हैं। मै0 ईशादिति केमिकल्स ने भी निर्णायक समीक्षा के लिए अलग आवेदन प्रस्तुत किया है। तथापि, इस उत्पादक ने वर्तमान जाँच की अवधि के दौरान ही उत्पादन शुरू किया है। मै0 लिबॉक्स केमिकल, तीसरे ज्ञात उत्पादक ने भी जाँच अवधि के दौरान मामूली उत्पादन शुरू किया है। तथापि, जाँच अवधि के दौरान इन उत्पादकों का कुल उत्पादन में हिस्सा लगभग 12% था। निर्णायक समीक्षा के लिए आवेदन मै0 यूनिवर्सल केमिकल्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है जिसका कुल उत्पादन में लगभग 88% हिस्सा है और इसलिए वह नियम 2(घ) के अनुसार आवेदन प्रस्तुत करने की स्थिति रखते हैं। तथापि, समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत और क्षति के निर्धारण के लिए मै0 ईशादिति और मै0 लिबॉक्स से भी अपने लागत एवं क्षति संबंधी आँकड़े प्रस्तुत करने को कहा गया था। परंतु इन उत्पादकों ने प्राधिकारी के समक्ष कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन उत्पादकों ने जाँच अवधि की अंतिम तिमाही के आस-पास अपना उत्पादन प्रारंभ किया है और इसलिए उनके लागत एवं क्षति संबंधी आँकड़े इस मामले में संगत नहीं होंगे। इस आवेदन को प्रस्तुत करने के लिए आवेदक की स्थिति के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक घरेलू उद्योग का गठन करते हैं।

ड. पाटन मार्जिन

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में ईयू तथा अमेरिका जैसे उच्च्युटीओ सदस्यों द्वारा की गई पाटनरोधी जाँचों में चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। यथा-संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -1, पैराग्राफ -8 में प्रावधान है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खण्डन किया जा सकता है, यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएँ और सामान्य अवधारणा के प्रतिकूल को साबित करें। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ -8 के उप-पैराग्राफ (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या -

(क) चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों में कीमतों, कच्चे माल सहित लागतों एवं निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश के संबंध में निर्णय आपूर्ति एवं मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के अनुरूप और इस संबंध में राज्य के किसी हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती है;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें एवं वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु-विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से चली आ रही अत्यधिक विकृतियों के अधीन है;

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों अधीन हैं जिनसे ऐसी फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता एवं स्थिरता की गारंटी मिलती है;

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण से केवल एक निर्यात अर्थात् मै0 ग्रुप स्टार्स (यून्नान) एल एल सी, चीन जन गण ने समय-विस्तार के अनुरोध पश्चात प्रश्नावली का उत्तर दिया है ।

12. चीन जनवादी गणराज्य के संबंध में गैर बाजार अर्थव्यवस्था परिकल्पना तथा ऊपर उल्लिखित अलग-अलग निर्यातक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था दावों के मद्देनजर प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि उत्तर देने वाले निर्यातकों को अलग-अलग रूप से बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जा सकता है अथवा नहीं । इस संबंध में प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या निर्यातक बाजार संकेतकों के अनुसार कार्य कर रहे हैं तथा उनके वाणिज्यिक प्रचालन किसी महत्वपूर्ण राज्य हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं है ।

ड.1 बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति की जांच

ड.1.1 मै0 ग्रुप स्टार्स (यून्नान) एल एल सी, चीन जन गण

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती जांच में मै0 ग्रुपस्टार्स (यून्नान) केमिकल्स एल एल सी ने संबद्ध निर्यातक मै0 वाई पी जे सी सी आई एफ के साथ-साथ संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक के रूप में भाग लिया था तथा शामिल पक्षकारों के दर्जे की विस्तृत जांच करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि संयुक्त उद्यम में निर्यातक तथा उत्पादकों की उल्लेखनीय अंशधारिता है तथा पूर्ववर्ती बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से पूर्वाविशिष्ट विकृतियाँ मौजूद होने के कारण, कंपनी की लागतें तथा कीमतें बाजार संकेतकों को प्रदर्शित नहीं करती हैं । तदनुसार पूर्ववर्ती जांच में इस निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया गया था । तथापि मै0 ग्रुपस्टार्स ने इस जांच में बाजार अर्थव्यवस्था हेतु दावा किया है और तदनुसार पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के संदर्भ में एक विस्तृत निवेदन प्रस्तुत किया है । निर्यातक द्वारा प्रस्तुत नियमावली के उत्तर के आधार पर निर्यातक के परिसर का सत्यापन किया गया ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या निर्यातक के दर्जे में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन है तथा क्या कंपनी बाजार संकेतकों के अनुसार कार्य कर रही है ।

14. पूर्ववर्ती मध्यकालिक समीक्षा जांच में प्राधिकारी के जांच परिणामों का हवाला देते हुए निर्यातक से कंपनी की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करने और वर्तमान पंजीयन दस्तावेजों, अंशधारिता संबंधी दस्तावेज तथा अन्य कोई दस्तावेज जिससे कंपनी की अंशधारिता की पद्धति और स्थिति स्पष्ट होती हो, उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था । कंपनी ने सत्यापन हेतु अपने हाल के पंजीयन दस्तावेज प्रस्तुत किए थे । तथापि यह पाया गया कि यद्यपि कंपनी जांच अवधि के दौरान अंशधारिता पद्धतियों के संदर्भ में अत्यधिक परिवर्तन से गुजर रही थी, तथापि वास्तविक परिवर्तन अक्टूबर, 2005 के पश्चात ही हुआ था । जांच अवधि के दौरान कंपनी, युन्नान प्रॉविन्स जियान्शुई काउंटी केमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री (वाई पी जे सी सी आई एफ), चीन जन गण; ग्रुप स्टार्स केमिकल एल एल सी, यू एस ए; तथा बीजिंग झोंगहुई यूआनटोंग इन्वेस्टमेंट कंसल्टेशन सेंटर, चीन जन गण

के बीच एक संयुक्त उद्यम बनी रही। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 ग्रुप स्टार्स (यून्नान) एल एल सी चीन ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह संकेत दिया है कि जांच अवधि के दौरान भी उनके संयुक्त उद्यम के भागीदार मै0 वाई पी जे सी सी आई एफ के पास उल्लेखनीय अंशधारिता थी।

15. सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि मै0 ग्रुप स्टार्स केमिकल एल एल सी यू एस ए, जो संयुक्त राज्य अमरीका (यू एस ए) में एक निजी तौर पर निगमित कंपनी है तथा जिसके विधिक प्रतिनिधि श्री यूजीन जी द्वारा उनका प्रतिनिधित्व किया गया था, के पास ग्रुप स्टार्स (यून्नान) के शेयर का 52 प्रतिशत था। तथापि मै0 ग्रुप स्टार्स एल एल सी यू एस ए द्वारा धारित शेयरों को उसके पश्चात नवम्बर, 2006 में एक ताईवानी निवेशक श्री गुओ झौऊ फेंग को हस्तांतरित कर दिया गया था।

16. अपने विधिक प्रतिनिधि श्री ही दाओफिंग के प्रतिनिधित्व वाली एक संयुक्त स्टॉक (पार्टनरशिप) कंपनी, मै0 बीजिंग झोंगहुई युआनटोंग इनवेस्टमेंट कंसल्टेशन सेंटर, जो चार शेयरधारकों के साथ चीन जन गण में पंजीकृत है के पास आरंभ में जे वी के 8 प्रतिशत शेयर थे। निवेश कंपनी द्वारा धारित शेयरों को भी नवम्बर, 2006 में मै0 यून्नान छुआन इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कं0 लि0 को हस्तांतरित कर दिया गया है।

17. यून्नान प्रॉविन्स जियानशुई काउंटी केमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री जिसके पास ग्रुप स्टार्स (यून्नान) के शेयरों का 40 प्रतिशत हिस्सा था, चीन जन गण में पंजीकृत एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी थी, जिसका प्रतिनिधित्व उसके विधिक प्रतिनिधि श्री झोंग गुओ यी द्वारा किया गया था। तथापि वर्ष 1996 से अत्यधिक घाटे के कारण इस कंपनी को जियानशुई काउंटी पीपल्स कोर्ट द्वारा 8 अक्टूबर, 2005 को दिवालिया घोषित कर दिया गया था और कंपनी की परिसंपत्तियों को कोर्व द्वारा नियुक्त दिवालियापन निकासी समूह द्वारा अपने कब्जे में लेने के आदेश दिए गए थे। इस व्यावसायिक सत्ता का अब परिसमापन कर दिया गया है तथा वाई पी जे सी सी आई एफ द्वारा धारित शेयर को दिनांक 3 नवम्बर, 2006 के हाँग-हो ऑटोनोमस स्टेट चेंबर्स ऑफ कॉमर्स द्वारा जारी शेयर हस्तांतरण के पंजीयन/अनुमोदन के अनुसार मै0 यून्नान - फुलसार रिसोर्स डेवलपमेंट कं0 लि0 द्वारा अपने कब्जे में ले लिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि ये सभी घटनाएं जांच अवधि के पश्चात हुई हैं अतः वर्तमान जांच के लिए अधिक संगत नहीं हैं। जांच अवधि के दौरान कंपनी की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था, जैसा कि समीक्षा जांच में निर्धारित किया गया है, तथा निर्यातक ने अपने उत्तर में यह भी संकेत दिया है कि वाई पी जे सी सी आई एफ द्वारा धारित शेयर राज्य द्वारा नियंत्रित थे। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान कंपनी में राज्य का अत्यधिक हस्तक्षेप जारी रहा तथा पूर्ववर्ती जांच में निर्यातकों की स्थिति के निर्धारणों पर आधारित स्थितियों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

18. तथापि यह नोट किया गया था कि जांच अवधि के दौरान ग्रुप स्टार (यून्नान) ने वाणिज्य मंत्रालय से निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के पश्चात भारत तथा अन्य देशों को प्रत्यक्ष निर्यात शुरू किया था। कंपनी द्वारा जांच अवधि से संबंधित ग्रुप स्टार्स निर्यात अनुमोदनों तथा दोहरे इस्तेमाल वाली मदों एवं प्रौद्योगिकियों हेतु निर्यात लाइसेंस की प्रतिदर्शी प्रतियां उपलब्ध कराई गई हैं।

19. उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी का मानना है कि वर्तमान जांच में उत्पादक-निर्यातक अर्थात् मै0 ग्रुप स्टार्स (यूनान) केमिकल्स एल एल सी, चीन ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों के तहत कार्य करना जारी रखा तथा उसकी लागत और कीमत, वस्तु की सही बाजार निर्धारित कीमत को प्रदर्शित नहीं करती है। अतः उपर्युक्त परिस्थितियों इस निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी लाभ प्रदान नहीं किए जा सकते हैं।

ड.2 चीन जन गण में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण

ड.2.1 सामान्य मूल्य: चीन के सभी निर्यातक

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती खण्ड में दर्ज कारणों को ध्यान में रखते हुए उनके घरेलू बिक्री सौदे के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण तथा उक्त प्रयोजन हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किए जाने के आवेदक के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। चीन के किसी अन्य निर्यातक ने कोई निवेदन नहीं किया है। चूंकि उत्तर देने वाला कोई भी निर्यातक अलग-अलग बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्राप्त करने हेतु अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के संदर्भ में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के संदर्भ में निर्यात के देश में कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उपयोगिता लाभ तथा अन्य संबद्ध लागतों तथा उत्पादन लागत के संबंध में *****% उचित लाभ मार्जिन के आधार पर सभी चीनी निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। तदनुसार, सभी निर्यातकों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य *** अम डॉ/प्रति व्यक्ति बनता है।

ड.2.2 निर्यात कीमत:

क) मै0 ग्रुप स्टार्स एल एल सी चीन

21. मै0 ग्रुप स्टार्स द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के **** मी.टन का निर्यात किया है।

22. घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई पश्चात किए गए निवेदनों में चीन के सीमाशुल्क आंकड़ों में दर्शाई गई निर्यात कीमत तथा डी जी सी आई एस आंकड़ों में दर्शाई गई आयात कीमत के बीच के अंतर के मुद्दे को उठाया है। इस मुद्दे की सत्यापन के दौरान वैट बीजकों तथा उनके द्वारा निर्यात के समय चीन सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के संदर्भ में विस्तृत जांच की गई थी। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सीमाशुल्क बीजकों में, निर्यातकों के वाणिज्यिक बीजकों तथा प्रश्नावली के परिशिष्ट 2 के संबंध में दिए गए उत्तर की तुलना में कम मूल्य प्रदर्शित हुआ है। निर्यातक ने स्पष्ट किया कि प्रथमतः उनके द्वारा चीन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष घोषित निर्यात कीमत (सीमाशुल्क घोषणा पत्र तथा सीमाशुल्क बीजक) वैट के प्रयोजनार्थ एफ ओ

बी कीमत है तथा वाणिज्यिक बीजक में दर्शाई गई कीमत सी आई एफ कीमत है । दूसरे, सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष निर्यात हेतु निर्यातक द्वारा घोषित एफ ओ बी कीमत, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्यात लाइसेंस/परमिट में दर्शाई गई कीमत पर आधारित है, जो स्वयं मूल अनुबंधित कीमत पर आधारित है । यह स्पष्ट किया गया कि अनुबंधित कीमत वह कीमत है जिस पर आयातक बल्क में एक दीर्घ-कालिक अनुबंध (ज्यादातर एक वर्ष के लिए) करता है, जबकि वास्तविक सौदा कीमत की नौवहन/पुनःवार्ता के समय वास्तविक बाजार स्थिति के आधार पर, पुनः निर्धारित किया जाता है । अतः वास्तविक वसूली, बाजार स्थिति के आधार पर ज्यादा या कम होती है । सीमाशुल्क के बीजक में घोषित एफ ओ बी मूल्य पर वैट का भुगतान किया जाता है और आवधिक रूप से इसे समन्वित किया जाता है । यह देखा गया था कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक ने भारत सहित विभिन्न देशों को भेजे गए लगभग सभी निर्यातक नौवहनों पर उच्च कीमत वसूल की है तथा बैंक ने वास्तविक वसूली को प्रमाणित कर दिया है । इराके अलावा वसूलियों से संबंधित बैंक के प्रमाण पत्र को चीन जन गण के विदेशी मुद्रा ब्यूरो द्वारा भी प्रमाणित कर दिया गया है, जिससे निर्यात सौदों हेतु प्राप्त अतिरिक्त विदेशी मुद्रा विनियमित हो गई है । उपर्युक्त के मद्देनजर, वाणिज्यिक बीजकों के आधार पर बैंक द्वारा यथाप्रमाणित वास्तविक वसूली को भारत सहित विभिन्न देशों की निर्यात कीमत माना गया है (जैसा कि परिशिष्ट 2 में दिया गया है)

23. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पूर्व निवेदनों में निर्यातक के तर्कों का खण्डन किया है तथा यह निवेदन किया है कि ऐसे तर्कों का कोई विधिक तथा तथ्यात्मक आधार नहीं है कि क्योंकि वास्तविक सौदा कीमत कथित रूप से अनुबंधित कीमत से अधिक है, केवल इसलिए निर्यातक चीन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष अनुबंधित बीजक संबंधी जानकारी ही प्रस्तुत करेगा । घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन भी किया गया है कि यह निर्यातक का दायित्व है कि वह अपने तर्कों को संगत चीनी कानूनों पर अवलंबित करें । आगे घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि इस प्रकार की स्थिति में अनुबंधित कीमत, बीजक में दी गई कीमत से अधिक संगत होती है क्योंकि उससे निर्यातक की कीमत निर्धारण प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है । यह निर्णायक समीक्षा में और भी संगत है क्योंकि इसमें संभावना पहलु की जांच की जाती है । घरेलू उद्योग के विचार में अनुबंधित कीमत, शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में, संभाव्य कीमत परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है ।

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी निगम का उद्देश्य उस कीमत का निर्धारण करना है, जिस कीमत पर वस्तुओं ने आयातक देश के बाजार में प्रवेश किया है । यह कीमत वाणिज्यिक बीजकों तथा प्रेषण दस्तावेजों में सौदा मूल्य द्वारा प्रदर्शित होती है । इस संबंध में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सौदे संबंधी दस्तावेजों से भारतीय बाजार को निर्यातित वस्तुओं की सौदरा कीमत का निर्धारण होता है तथा बैंकों एवं संबद्ध विदेशी मुद्रा प्राधिकारियों ने वास्तविक सौदा मूल्य को प्रमाणित किया है । अतः प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए निर्यातक द्वारा चीन के किसी घरेलू कानून के उल्लंघन संबंधी अन्य मुद्दों, यदि कोई हो, पर कार्यवाही करना उचित नहीं समझते । जहां तक पाटन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अनुबंधित कीमत तथा बीजक की कीमत के मुद्दे का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान जहां वास्तविक सौदे किए गए हैं वहां पाटन मार्जिन का निर्धारण उस अवधि में किए गए वास्तविक निर्यातों के आधार पर किया गया है तथा ऐसे निर्धारण के प्रयोजनार्थ सौदा कीमत संगत है ।

25. निर्यातक ने एक संशोधित परिशिष्ट 2 भी प्रस्तुत किया है जिसमें अंतर्देशीय तथा विदेशी परिवहन की लागत तथा अन्य प्रत्यक्ष बिक्री खर्च अर्थात् बीमा एवं हैंडलिंग खर्च, पत्तन प्रभार आदि को इंगित किया गया है। लदान पत्तन तक प्रत्यक्ष बिक्री खर्च ***** अम.डा./मी.टन बनता है। कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए वास्तविक बीजकों से यथा सत्यापित समुद्री भाड़ा, बीमा एवं प्रहस्तन प्रभार पर विचार किया गया है। निर्यातक ने इन सौदों पर कोई कमीशन अथवा छूट नहीं दी है। चूंकि निर्यात पैकिंग तथा घरेलू पैकिंग एक समान है (जी आई ड्रम में) तथा पैकिंग लागत को उत्पादन लागत में शामिल कर दिया गया है, इसलिए पैकिंग के लिए अलग से किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है।

26. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्यातक ने भारत को जाने वाले सभी नौवहनों पर बीजक के एफ ओ बी मूल्य पर 17 प्रतिशत की दर पर वैट का भुगतान किया है तथा चीन जन गण के वैट वापसी विनियमन के अनुसार निर्यात पश्चात् एफ ओ बी मूल्य पर 5 प्रतिशत की दर से शुल्क वापसी का दावा किया गया है। अतः निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यात कीमत में सभी निवल खर्च तथा अधिमानी वैट भुगतानों (एफ ओ बी मूल्य के 12 प्रतिशत की दर पर) को निम्नानुसार समायोजित किया जाना अपेक्षित है:-

मात्रा मी.टन में	बीजक मूल्य	एफ ओ बी खर्चों से पूर्व घटाकर	एफ ओ बी व्ययों के बाद घटाकर	दिए गए विभेदात्मक वैट को घटाकर	निवल मूल्य	निवल कीमत अम.डा./मी. टन
*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

(ख) निर्यात कीमत - अन्य निर्यातक

27. चीन जन गण के अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एस के आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार किया गया है:-

मात्रा मी.टन में	बीजक मूल्य	इकाई सी आई एफ कीमत अम.डा0/मी.टन	सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के अनुसार सभी प्रत्यक्ष बिक्री खर्चों को घटाकर	निवल कीमत अम.डा./मी. टन
*****	*****	*****	*****	*****

ड.2.3 पाटन मार्जिन:

28. पाटन मार्जिन के निर्धारणार्थ परिकलित सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित निर्यात कीमत के साथ की गई है। चीन के निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

पाटन मार्जिन का परिकलन				
	परिकलित सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै0 ग्रुप स्टार्स	*****	*****	*****	49%
अन्य	*****	*****	*****	93%

684 4567-3

29. चीन से सभी निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन को काफी अधिक और निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है।

च. क्षति निर्धारण

च.1 क्षति जारी रहना

च.1.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

30. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि शुल्क लगाए जाने के बाद भी चीन से लगातार पाटन के कारण उसे वास्तविक क्षति उठानी पड़ रही है। यह तर्क दिया गया है कि यद्यपि शुल्क लगाए जाने के बाद आयातों की मात्रा में कमी आई है तथापि इनकी मात्रा अधिक बनी रही है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में कोई विचार प्रस्तुत नहीं किए हैं।

च.1.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

31. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उनके अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है और प्राधिकारी के समक्ष दिए गए इन तर्कों के आलोक में घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने के मुद्दे की जांच की गई है।

32. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पाद की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है। प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयातों में समग्र रूप से या आयातक देश में उत्पादन या खपत के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या आयातक देश में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा उच्च स्तर तक बढ़ गई होती।

33. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रभावों की जांच की है और क्षति की मौजूदगी और पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए कीमतों और लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच की है।

34. चूंकि चीन से निर्यातों हेतु सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है इसलिए क्षति विश्लेषण और कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ उस देश से हुए समूचे निर्यातों को पाटित आयात माना गया है।

(क) **मात्रात्मक प्रभाव:** पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

35. संबद्ध देशों से पाटित आयातों तथा अन्य देशों से हुए आयातों के मात्रात्मक प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:-

(i) आयातों की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

36. घरेलू उद्योग ने चीन के सीमाशुल्क के आंकड़ों की तुलना में डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों में दर्शाई गई काफी उच्च कीमतों के आलोक में डी जी सी आई एंड एस द्वारा बताए गए आयात संबंधी आंकड़ों के सही होने के मुद्दे को उठाया है। पिछले खण्ड में इस मुद्दे की जाँच पहले ही की गई है। जहाँ तक चीन के सीमाशुल्क के आंकड़ों और डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में दर्शाई गई मात्रा में अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के सीमाशुल्क के आंकड़े निर्यातों की तारीख पर आधारित हैं जबकि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े आयातों की तारीख पर आधारित हैं और तदनुसार इन दोनों आंकड़ों में दी गई मात्रा पोत लदान और निकासी की तारीख के कारण अलग-अलग है। अतः प्राधिकारी क्षति जाँच के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार आगे की कार्रवाई करते हैं।

(मात्रा: मी.टन में)

देश	2002-03	2003-04	2004-05	जाँच अवधि (अक्टूबर, 04 - सितम्बर, 05)
चीन	166.50	384.00	304.90	176.90
प्रवृत्ति	100	231	183	106
अन्य	146.32	63.00	20.00	30.85
प्रवृत्ति	100	43	14	21
कुल	312.82	447.00	324.90	207.75
प्रवृत्ति	100	143	104	66

37. आंकड़ों से यह पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी चीन से संबद्ध वस्तु के आयात समग्र मात्रा की दृष्टि से तथा भारत में कुल आयातों के संबंध में काफी अधिक रहे हैं।

(ii) मांग, उत्पादन और बाजार हिस्सा(क) घरेलू उद्योग का उत्पादन

मात्रा: मी.टन में

विवरण	2002-03	2003-04	2004-05	अक्टूबर, 04- सितम्बर, 05 (जाँच अवधि)
क्षमता	2400	2400	3600	3600
उत्पादन-मात्रा	2356	2249	2407	2235
प्रवृत्ति	100	95	102	95
क्षमता उपयोग	98%	94%	67%	62%

38. घरेलू उद्योग के उत्पादन संबंधी आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग ने बढ़ती हुई मांग और इस प्रत्याशा को ध्यान में रखते हुए अपनी क्षमता बढ़ाई है कि पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग अपना उत्पादन और बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि करने में समर्थ होगा। तथापि उत्पादन कमोबेश उसी स्तर पर बना रहा है। अतः आधार वर्ष की तुलना में क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जुलाई, 2005 में महाराष्ट्र में आई बाढ़ के कारण कंपनी को लगभग एक माह का उत्पादन संबंधी घाटा उठाना पड़ा है। जिसके परिणामस्वरूप जाँच अवधि के दौरान उत्पादन में पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में मामूली कमी हुई है।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ

मात्रा: मी.टन में

विवरण	2002-03	2003-04	2004-05	अक्टूबर, 04 सितम्बर, 05
बिक्रियाँ (घरेलू)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	107	113	113
बिक्रियाँ - (निर्यात)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	97	95	94
बिक्रियाँ - कुल	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	103	105	97

39. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है यद्यपि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में यह कमोबेश समान बनी रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जुलाई, 2005 के दौरान राज्य में बाढ़ के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री पर लगभग एक माह के लिए गंभीर प्रभाव पड़ा था।

(ग) मांग एवं बाजार हिस्सा

मात्रा: मी.टन में

मांग	2002-03	2003-04	2004-05	अक्टूबर, 04 - सितम्बर, 05
बिक्रियाँ (घरेलू)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	107	113	113
बिक्रियाँ अन्य	0	0	0	*****
आयात	312.82	447.00	324.90	207.75
मांग	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	114	111	122
हिस्सा				
घरेलू उद्योग	100	94	102	92
अन्य उत्पादक	-	-	-	-
पाटित आयात	100	202	165	87
अन्य आयात	100	38	12	17

40. जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग और मै0 ईशादिति कैमिकल्स ने अपने प्रारंभिक आवेदन में प्रदत्त सूचना के अनुसार जांच अवधि के दौरान तीन महीनों के लिए 50 मी.टन के मासिक उत्पादन के आधार पर अन्य नए उत्पादकों की बिक्रियों के लगभग 300 मी.टन होने का अनुमान लगाया गया है। कुल मांग में आवेदक घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है जबकि चीन का हिस्सा संपूर्ण जांच अवधि के दौरान काफी अधिक बना रहा है।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

41. चीन से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत में मंदी यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है।

42. इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण संबंधी सत्यापित सूचना के आधार पर परिकलित घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) और क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से हुए आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है।

(i) कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

विवरण		2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर, 04 सितम्बर, 05
बिक्री लागत	रुपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	97	99.6
बिक्री कीमत	रुपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	107	114
पहुँच मूल्य चीन (पाटन शुल्क के बिना)	रुपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	(*****)	*****	*****	*****
% कीमत कटौती	%	(*****)%	*****%	*****%	0-10%
क्षतिरहित कीमत	रुपए/मी.टन				*****
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/मी.टन				*****
कम कीमत पर बिक्री %	%				5-15%

43. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आयातों का पहुँच मूल्य तथा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री वसूली) में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की लागत में 2003-2004 में अत्यधिक गिरावट के पश्चात घरेलू उद्योग तथा चीन के निर्यातकों दोनों के लिए अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी शुल्क के बिना चीन से आयातों का पहुँच मूल्य अभी भी घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत तथा बिक्री कीमत से अत्यधिक कम है।

44. कीमत कटौती को समूची जांच अवधि के दौरान चीन से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की इसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली के साथ तुलना करके निर्धारित किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य 1% हैंडलिंग प्रभार तथा सीआईएफ मूल्य पर प्रयोज्य आधारभूत सीमाशुल्क को जोड़कर परिकलित किया गया है जैसा कि डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में सूचित किया गया है।

45. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूट, बट्टा तथा कमीशन एवं प्रदत्त केन्द्रीय सीमाशुल्क को छोड़ दिया गया है।

46. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन से आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत तथा शेष वर्षों के लिए उत्पादन की लागत के साथ तुलना की गई है।

47. कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री (लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार किए बिना) को वास्तविक पाया गया है। तथापि पाटनरोधी शुल्क सहित पहुँच मूल्य घरेलू बिक्री कीमत तथा घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से ज्यादा है।

(ii) पाटित आयातों के कीमत मंदी तथा न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव

48. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव की भी उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली तथा संबद्ध देश से पहुँच मूल्य के संदर्भ में जांच की गई है।

49. उत्पादन की लागत तथा संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत में 2003-2004 में गिरावट आई तथा तत्पश्चात मुख्य रूप से कच्चे माल की कीमत संरचना में परिवर्तन के कारण इसमें वृद्धि हुई। बिक्री कीमत में परवर्ती अवधि में लागू पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ोतरी हुई। तथापि, जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत, उत्पादन की समूची लागत को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसीलिए, पाटनरोधी शुल्क के बिना पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर न्यूनीकरण प्रभाव पड़ता प्रतीत होता है।

(ग) क्षति संबंधी अन्य मानदण्डों की जांच

50. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा व मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं घरेलू उद्योग की बिक्री और पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न सेगमेंटों के बाजार हिस्से के साथ मांग के तरीके की जांच करने के पश्चात अन्य आर्थिक मानदण्डों जिनसे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की मौजूदगी का संकेत मिलता है, की निम्नानुसार जांच की गई :-

(i) उत्पादकता

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर 2004 - सितम्बर 05
उत्पादकता	प्रति कर्मचारी	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	131	118

51. घरेलू उद्योग की उत्पादकता को उत्पादन की श्रम उत्पादकता के रूप में मापा गया है तथा यह नोटिस किया गया है कि श्रमशक्ति में मामूली कमी के कारण उत्पादकता में सुधार हुआ है। उद्योग ने लागत में कटौती करने तथा प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए उत्पादकता में सुधार किया है।

(ii) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

52. यद्यपि घरेलू उद्योग के अपने घरेलू प्रचालनों से कुल राजस्व में घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी हुई है तथापि उद्योग को जांच अवधि के दौरान घाटा होता रहा। उद्योग, पाटित आयातों के प्रचलित कीमत स्तर के कारण अपनी लागत को प्राप्त करने के लिए उचित कीमत वसूलने में असमर्थ रहा है। तथापि, उत्पादन की प्रति इकाई हानि में गिरावट आई है।

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर, 2004 - सितम्बर, 2005
लाभ					
बिक्री लागत	रु./मी. टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100.00	88.82	96.79	99.59
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100.00	99.10	106.82	114.48
लाभ/हानि	रु./मी. टन	(*****)	(*****)	(*****)	(*****)
प्रवृत्ति		-100.00	-24.24	-33.79	-6.10
घरेलू बिक्री पर कुल लाभ/हानि	लाख रुपए	(*****)	(*****)	(*****)	(*****)
प्रवृत्ति		-100.00	-26.05	-38.17	-6.88

(iii) रोजगार एवं मजदूरी

53. घरेलू उद्योग की रोजगार की दशा यह प्रदर्शित करती है कि क्षमता में वृद्धि होने के बावजूद रोजगार के स्तर एवं मजदूरी में गिरावट आई ।

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर, 04 सितम्बर, 05
रोजगार					
कर्मचारियों की संख्या	सं.	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	78	81
मजदूरी					
प्रत्यक्ष श्रम	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	99	93

(iv) निवेश पर आय तथा पूंजी उगाहने की क्षमता

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
निवेश पर आय					
सकल ब्लॉक	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	109	116	236
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	68	101	85
लगाई गई पूंजी (कुल)	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	98	112	193
लगाई गई घरेलू पूंजी	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	102	120	225
घरेलू बिक्री पर ब्याज पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	(*****)	(*****)	(*****)	*****
प्रवृत्ति		-100	-16	-33	0.3
लगाई गई पूंजी पर आय (एनएफए)	%	(*****)	(*****)	(*****)	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-17	-29	0.1

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर आय में पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद सुधार हुआ है हालांकि यह जांच अवधि को छोड़कर समूची जांच अवधि के दौरान नकारात्मक रही है । जांच अवधि में, निवेश पर आय मामूली रूप से सकारात्मक है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम्पनी ने अतिरिक्त निवेश से पूर्ववर्ती वर्ष में अतिरिक्त क्षमताएं जोड़ी है, हालांकि इस निवेश से उत्पादन तथा राजस्व में अब तक वृद्धि नहीं हुई है । इसीलिए, निवेश पर आय से घरेलू उद्योग की दशा का एक स्पष्ट संकेत नहीं मिल सकता ।

(v) नकद - प्रवाह

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर, 2004- सितम्बर, 2005
नकद लाभ (घरेलू)					
फर पूर्व लाभ	लाख रुपए	(****)	(****)	(****)	(****)
प्रवृत्ति		-100	-26	-38	-6.9
मूल्य ह्रास	लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	100	113	165
नकद लाभ (घरेलू)	लाख रुपए	(****)	(****)	(****)	*****
प्रवृत्ति		-100	-10	-22	28.1

55. घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति की जांच से यह पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात घरेलू उद्योग की दशा में सुधार हुआ।

(vi) निवेश

56. पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ी हुई बिक्री मात्रा के पूर्वानुमान में 2004-05 में क्षमता में वृद्धि हुई है।

(vii) पाटन की मात्रा

57. उस सीमा, जहाँ तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं, के संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन, पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बावजूद वास्तविक है।

(viii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

58. कीमत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा तथा प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापनों की कीमतों की पाटित आयातों से इतर कारकों का विश्लेषण करते समय जांच की गई, जो घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य प्रतिस्थापन नहीं है। मै0 यूनिवर्सल केमिकल्स, भारत में संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है। याचिकाकर्ता के अतिरिक्त दो अन्य कम्पनियों मै0 इशादिति केमि.प्रा.लि. तथा मै0 लिबाक्स केमि (आई) प्रा.लि. ने जुलाई 2005 से पोटेशियम परमैंगनेट का उत्पादन शुरू किया है। इन उत्पादकों ने बिल्कुल हाल ही में उत्पादन शुरू किया है तथा इन उत्पादकों द्वारा उत्पादन की मात्रा, कुल उत्पादन का केवल 12% था। इसीलिए, ऐसा प्रतीत नहीं होता कि घरेलू उद्योग से कीमतें अत्यधिक प्रभावित हुई हों। उपर्युक्त के मदेनजर, यह प्रतीत होता है कि पाटित आयातों की कीमतों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं।

(ix) माल सूची

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	अक्तूबर, 2004- सितम्बर, 2005
औसत माल सूची	मी. टन	*****	*****	*****	*****

उत्पादन के % के रूप में मालसूची प्रवृत्ति	% सूचीबद्ध	675 100	5.65 84	2.45 36	1.97 29
---	------------	------------	------------	------------	------------

59. आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात मालसूची का परिसमापन करने में समर्थ था।

च.2 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

60. पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत संबंधी प्रभावों तथा अन्य मानदण्डों जिनसे संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति, यदि कोई हो, का पता चल सके, की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने ऐसे अन्य ज्ञात कारकों जिनसे एक साथ घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच रही हो, यदि कोई हों, को ज्ञात करने हेतु जांच की ताकि ऐसे कारकों द्वारा हुई क्षति को पाटित आयातों पर आरोपित न किया जा सके। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने कोई अन्य साक्ष्य कारक ध्यान में नहीं लाया है जिससे जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग पर प्रभाव पड़ा हो। तथापि, इस संबंध में अनुबंध-II के पैरा -5 में सूचीबद्ध निम्नलिखित गैर-आरोपण संबंधी कारकों की जांच की गई है।

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

61. डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों के अनुसार, जांच अवधि के दौरान चीन से इतर आयात केवल अमरीका से हुए हैं। घरेलू उद्योग ने अन्य आंकड़ा स्रोतों को उद्धृत करते हुए दावा किया है कि चीनी उद्गम की संबद्ध वस्तुओं के कुछ परेषण मलेशिया के जरिए यानांतरित किए गए हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य सभी स्रोतों से आयातों का हिस्सा एक साथ लेने पर कुल आयातों का लगभग 15% है तथा ऐसे स्रोतों से आयातों की कीमतें, चीन से आयात कीमत की तुलना में अत्यधिक उच्च हैं। इसीलिए ऐसा प्रतीत नहीं होता कि इन आयातों से घरेलू उद्योग पर मात्रा तथा मूल्य, दोनों रूप में अत्यधिक प्रभाव पड़ा हो।

(ii) मांग में कमी और अथवा खपत के ढंग में परिवर्तन

62. समूची जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग में वृद्धि हुई। मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई जबकि चीन के हिस्से में 2003-2004 में वृद्धि हुई तथा इसके पश्चात गिरावट आई, हालांकि यह 2004-05 तथा जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय बना रहा। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत के ढंग में ऐसा कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर आरोपित किया जा सके।

(iii) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ तथा उनके बीच प्रतिस्पर्धा

63. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है तथा घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ नहीं है। मै0 यूनिवर्सल केमिकल्स देश में संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है। दो अन्य उत्पादकों ने अत्यल्प बाजार हिस्से के साथ जांच अवधि की अंतिम तिमाही में ही घरेलू बाजार में प्रवेश किया है। संबद्ध वस्तु का अधिकांश आयात चीन से होता है।

बाजार की इन दो सत्ताओं से कारगर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अन्य निर्यातक देशों के पास भारतीय बाजार में उल्लेखनीय बाजार हिस्सा नहीं है। अतः व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों अथवा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा को घरेलू उद्योग की वर्तमान क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(iii) प्रौद्योगिकी विकास एवं निर्यात कार्य निष्पादन

64. पोटेशियम परमैंगनेट का उत्पादन ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसमें प्रौद्योगिकी की अत्यधिक जरूरत हो। चीन स्थित विदेशी उत्पादक की उत्पादन सुविधाओं का सत्यापन किया गया और यह देखा गया कि उत्पादकों की उत्पादन प्रौद्योगिकी एक समान है और इनमें पुराने संयंत्र तथा मशीनरी का इस्तेमाल किया जाता है। अतः प्रौद्योगिकी विकास अथवा घरेलू उद्योग की उत्पादन की अकुशल विधि को घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(मात्रा मी. टन में)

विवरण	2002-03	2003-04	2004-05	अक्टू 04 – सित. 05
विक्री - (निर्यात)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	97	95	94

65. घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन इसके घरेलू कार्य निष्पादन से बेहतर पाया गया। वे निर्यात बाजार में अधिक कीमत हासिल करने में सफल रहे हैं और केवल जांच अवधि को छोड़कर जब महाराष्ट्र में जुलाई, 2005 में आई बाढ़ के कारण निर्यात मात्रा में गिरावट आई गई थी, उनकी निर्यात मात्रा इन वर्षों के दौरान स्थिर बनी रही है। अतः निर्यात कार्य निष्पादन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(iv) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

66. श्रमिकों द्वारा उत्पादन तथा दैनिक उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। अतः उत्पादकता वह कारक नहीं है, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाए। दरअसल उत्पादन में सुधार के माध्यम से घरेलू उद्योग ने अपने घरेलू प्रचालनों में घाटे को कम करने का प्रयास किया है।

च.3. वर्तमान क्षति तथा कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

67. क्षति मानदण्डों के उपर्युक्त विश्लेषण एवं गैर- कारणात्मक कारकों की जांच यह इंगित करती है कि यद्यपि कुछ मानदण्डों में सुधार हुआ है तथापि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कम लाभप्रदता तथा निवेश से आय में कमी, नकद प्रवाह की खराब स्थिति तथा कीमत ह्रास तथा कीमत अवमूल्यन के रूप में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति लगातार हो रही है। यह क्षति सम्बद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा व कीमत प्रभाव के कारण हुई है।

च.4. घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत का निर्धारण

68. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन लागत एवं अन्य सूचना के विस्तृत विश्लेषण एवं जांच के उपरांत प्राधिकारी द्वारा भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है। जैसा कि पहले रिकार्ड किया जा चुका है, सम्बद्ध वस्तुओं के अन्य ज्ञात उत्पादकों की उत्पादन लागत एवं अन्य जानकारी इस जांच के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक नहीं पाई गई क्योंकि इन उत्पादकों द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत इस जांच अवधि के अन्त में की गई थी। तदनुसार, प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग हेतु सम्बद्ध वस्तुओं की भारित औसत क्षति रहित कीमत ****/- प्रति मी. टन निर्धारित की गई है।

च.5. क्षति तथा क्षति मार्जिन की सीमा

69. क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा क्षतिरहित कीमत की तुलना सहयोगी निर्यातों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों व डीजीसीआई एंड एस के डाटाबेस से संकलित आंकड़ों के अनुसार प्राप्त निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई। सम्बद्ध देशों से निर्यातों की भारित औसत पहुँच कीमत तथा क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :-

क्षति मार्जिन	एनआईपी	मै. ग्रुपस्टार्स	अन्य
	रु./मी. टन	अमरीकी डालर/मी.टन	अमरीकी डालर/मी.टन
एनआईपी	*****	*****	*****
पहुँच मूल्य	*****	*****	*****
क्षति मार्जिन	*****	*****	*****
पहुँच मूल्य के % के रूप में क्षति मार्जिन %		0-10%	25-35%

छ. पाटन तथा क्षति की निरन्तरता एवं पुनरावृत्ति

70. इस अधिनियम की धारा 9 (क) (5) में निर्णायक समीक्षा में निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की गई है कि क्या शुल्क समाप्त करने की परिणति पाटन तथा क्षति की निरन्तरता एवं पुनरावृत्ति में होगी।

छ.1. हितबद्ध पक्षों के विचार

71. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति इस स्वरूप की समीक्षा हेतु वास्तविक एवं उपयुक्त नहीं है। उनका तर्क है कि किसी समीक्षा में प्राधिकारी से पाटन तथा क्षति की निरन्तरता एवं पुनरावृत्ति की सम्भावना की जांच करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि पाटन के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए शुल्क जारी रखने अथवा संशोधन करने अथवा उसे हटाने के बारे में निर्णय किया जा सके। घरेलू उद्योग ने अपने प्रस्तुतीकरण में इस तथ्य की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए कि पाटन तथा क्षति की निरन्तरता एवं पुनरावृत्ति की सम्भावना का निर्धारण किसी भी जांच समीक्षा में महत्वपूर्ण होता है,

अनेक देशों के कानून तथा पद्धतियों एवं समीक्षा के मानदण्डों को उद्धृत किया है। अन्य बातों के साथ-साथ उन्होंने कहा है -

1. कि सामान्यतः चीन के उत्पादक और खास तौर से उत्तरदाता निर्यातक भारतीय बाजार में अभी भी सामग्री का पाटन कर रहे हैं;
 2. कि घरेलू उद्योग को अपने कार्य निष्पादन एवं स्थिति में सुधार लाने के बावजूद सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण निरन्तर क्षति हो रही है; और यदि पाटनरोधी शुल्क हटा लिया जाता है, तो घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति अथवा इसमें वृद्धि होने की सम्भावना है;
 3. कि निर्यात कीमत और चीन से आयात की पहुंच कीमत में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हो गई है। तथापि, इन कीमतों से घरेलू उद्योग की कीमतों में अभी भी कटौती हो रही है।
 4. कि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत शुल्क मुक्त आयात का अनुचित लाभ लेकर भारी पैमाने पर आयात किया जा रहा है;
 5. कि उत्पादन लागत बढ़ गई है। तथापि, चीन के निर्यातकों ने भारत के लिए निर्यात कीमत में उत्पादन लागत के अनुरूप वृद्धि नहीं की है;
 6. कि यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग जिस कीमत पर सामग्री की बिक्री कर रहा है, वह लाभदायक नहीं है;
 7. कि ऐसी स्थिति में जब घरेलू बिक्री पूरी तरह गंवा देने के भय से घरेलू उद्योग अपनी कीमत आयातित उत्पाद की कीमत के बराबर रख रहा है, यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आयातों की वर्तमान पहुंच कीमत के बराबर हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप, भारी वित्तीय घाटा होगा और नियोजित पूंजी से प्राप्त होने वाली आय तथा नकद लाभ में अत्यधिक गिरावट आ जाएगी।
 8. कि चीन के उत्पादकों के पास उल्लेखनीय बेशी क्षमता है और चीन में मांग उनके द्वारा सृजित क्षमता की तुलना में बहुत ही कम है। यह भी तर्क दिया गया है कि चीन का सम्बद्ध वस्तुओं का 20,000 टन प्रति वर्ष का उत्पादन अपनी घरेलू खपत की तुलना में अत्यधिक है, अतः उनका निर्यात करना अत्यन्त आवश्यक है। अतः शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में भारी मात्रा में आयात व घरेलू उद्योग को भारी क्षति होने की अत्यधिक सम्भावना है।
72. चीन के सहयोगी निर्यातक ने सार्वजनिक सुनवाई के उपरांत अपने प्रस्तुतीकरण में अन्य बातों के साथ-साथ तर्क दिया है कि
- चीन से निर्यातित पोटेशियम परमैंगनेट पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की दृष्टि से यूनिवर्सल केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. द्वारा उठाए गए मुद्दे अत्यन्त अपर्याप्त हैं।
 - कि पोटेशियम परमैंगनेट में घरेलू उद्योग फल-फूल रहा है और पिछले कुछ वर्षों में दो नये विनिर्माताओं ने उत्पादन शुरू किया है। आवेदक ने भी अपनी उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि कर ली है।

- कि भारत में पोटेशियम परमेगनेट के उपभोक्ता खरीद संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं और आयातित पोटेशियम परमेगनेट पर अत्यधिक पाटनरोधी शुल्क के कारण समय से वैकल्पिक कच्चे माल के उपयोग के लिए विवश हैं। पोटेशियम परमेगनेट का वास्तविक भारतीय बाजार बहुत बड़ा है क्योंकि इसने संबद्ध उत्पाद के 2 नये विनिर्माताओं को भी समाहित कर लिया है। आवेदक अपनी सीमित क्षमता के कारण मांग को पूरा नहीं कर पा रहा है।
- कि चीन की पोटेशियम परमेगनेट उत्पादन क्षमता से भारतीय घरेलू उद्योग को कोई खतरा नहीं है। विश्व में केवल 4 देश यूएसए, चेकोस्लोवाकिया, भारत तथा चीन पोटेशियम परमेगनेट का उत्पादन करते हैं। कच्चे माल की आपूर्ति बाधित होने के कारण विश्वभर में पोटेशियम परमेगनेट के अनेक विनिर्माताओं (उदाहरणार्थ जर्मनी, स्पेन, यूकेन आदि) ने इसका उत्पादन बंद कर दिया है। विश्वभर में केवल कुछेक विनिर्माता/विनिर्मिता देश होने का कारण है - संबंधित देशों में कच्चे माल के सीमित संसाधन तथा सीमित आपूर्ति। पोटेशियम परमेगनेट के वर्तमान विनिर्माता देशों के पास अपने घरेलू बाजार से अधिक क्षमता हाने का यही प्रमुख कारण है। पोटेशियम परमेगनेट के सभी विनिर्माता अपने-अपने देश के निर्यातक भी हैं। चीन विश्वभर में भारत सहित 50 से अधिक देशों को इसका निर्यात करता है।
- चीन के पोटेशियम परमेगनेट पर भारत में पिछले लगभग 12 वर्षों से पाटनरोधी शुल्क लागू रहा है। पिछले 12 वर्षों से भारत को चीन से पोटेशियम परमेगनेट का औसत आयात 250 मी. टन प्रति वर्ष से निरन्तर कम रहा है, चाहे इस पर लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि कुछ भी रही हो। भारत में पोटेशियम परमेगनेट का आयात शुल्क मुक्त/छूट प्राप्त श्रेणी के आयातकों अथवा निर्यातानुमुख इकाइयों द्वारा किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि भारत में लागू पाटनरोधी शुल्क से आयात पर पूर्णतः रोक लग गई थी और भारतीय विनिर्माताओं का इस पर एकाधिकार हो गया। एक दशक से अधिक अवधि से पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के कारण सामान्य भारतीय उपभोक्ता आयातित पोटेशियम परमेगनेट से परिचित नहीं थे। चीन की पोटेशियम परमेगनेट की 75,000 मी. टन प्रतिवर्ष की उत्पादन क्षमता को देखते हुए भारत को इसके निर्यात (250 मी. टन प्रति वर्ष से भी कम) का प्रतिशत बहुत मामूली है। चूंकि चीन ने एक दशक से अधिक समय से पोटेशियम परमेगनेट का पाटन नहीं किया है, अतः यह मामला इस समय लागू पाटनरोधी शुल्क को हटा देने के लिए उपयुक्त है, क्योंकि अब इसकी कोई आवश्यकता जरूरत नहीं है।
- कि चीन से भारत को निर्यात कीमतें वैश्विक उतार-चढ़ाव के अनुसार घटती-बढ़ती रही हैं और यह पूर्णतः बाजार की स्थितियों पर आधारित है। जीडीसीआई एण्ड एस, आईबीआईएस तथा आवेदक द्वारा प्रस्तुत चीन के सीमाशुल्क विभाग के रिकार्ड दर्शाते हैं कि पिछले दो वर्षों में चीन से भारत को पोटेशियम परमेगनेट की निर्यात कीमतों में वृद्धि हुई है। आवेदक ने स्वीकार किया है कि चीन से भारत में पोटेशियम परमेगनेट की आयात कीमत में लगभग 100% वृद्धि दर्ज हुई है (41/- रुपए प्रति कि.ग्रा. से 81/- रुपए प्रति कि.ग्रा.)।
- कि चीन में घोषित निर्यात कीमतों और भारत में घोषित आयात कीमतों के बीच अन्तर बाजार की स्थितियों पर आधारित कीमतों की घट-बढ़ के कारण है। आवेदक ने ध्यान दिलाया है कि चीन के सीमाशुल्क विभाग द्वारा घोषित निर्यात कीमत भारत के सीमाशुल्क विभाग द्वारा घोषित आयात कीमत से कम है। निर्दिष्ट प्राधिकारी की सत्यापन टीम को सत्यापन दौरे के दौरान सिद्ध किया गया कि निर्यात पूर्णतः बाजार की स्थितियों पर आधारित है और कीमतों की घट-बढ़ के अध्यधीन है। पोटेशियम परमेगनेट एक सूचीबद्ध स्वापक उत्पाद होने के कारण चीन की निर्यातक कम्पनी द्वारा नाकॉटिक नियंत्रण ब्यूरो को निर्यात अनुमति हेतु आवेदक प्रस्तुत किया जाना जरूरी है। निर्यातक कम्पनी कीमत

684 52107-6

के बारे में सौदेबाजी करके खरीददार के साथ बिक्री संविदा पर हस्ताक्षर करती है। कीमत, निर्यात/प्रेषण के समय प्रचलित बाजार कीमतों के अध्यधीन होती है। निर्यातक कम्पनी तत्पश्चात् नार्कोटिक नियंत्रण ब्यूरो, बीजिंग को निर्यात अनुमति हेतु आवेदन करता है। अपेक्षित निर्यात परमिट हासिल होने में आवेदन की तारीख से 3-4 माह का समय लगता है। उक्त निर्यात परमिट में आवेदन के समय बिक्री संविदा के अनुसार विक्रय कीमत का उल्लेख शामिल होता है, जिसे प्रेषण की कार्यवाई हेतु चीन के सीमाशुल्क विभाग को प्रस्तुत किया जाना जरूरी होता है। तथापि, निर्यात वास्तव में प्रेषण के समय प्रचलित बाजार कीमतों पर किया जाता है। प्रस्तुत मामले में बिक्री संविदा बहुत पहले हस्ताक्षरित हो गई थी जिसके आधार पर निर्यात परमिट हासिल किया गया और प्रेषण बाद में, प्रचलित बाजार कीमत पर किया गया। अतः वास्तविक निर्यात कीमत निर्यात परमिट के अनुसार बिक्री संविदा हस्ताक्षरित करते समय निश्चित कीमत से अधिक थी। बिक्री अन्ततः प्रेषण के समय प्रचलित बाजार कीमत पर ही की जाती है और भुगतान की वसूली तदनुसार की जाती है। अतः चीन के सीमाशुल्क विभाग का रिकार्ड निर्यात परमिट के अनुसार कीमत दर्शाता है और भारतीय सीमाशुल्क विभाग का रिकार्ड वह वास्तविक कीमत दर्शाता है जिस पर बिक्री की गई। यह मामला इस मुद्दे पर भी प्रकाश डालता है कि निर्यातक कम्पनी ने भारत से व्यापार बाजार के सिद्धांतों और बाजार की स्थितियों पर किया और यह अपने आप में एक ठोस मामला है।

- कि भारत और अमरीका में ग्रुपस्टार से संबंधित पाटनरोधी जांचों के विगत परिणाम वर्तमान मामले के निर्धारण के लिए मानदण्ड नहीं हो सकते हैं। आवेदक ने बताया है कि विगत जांचों में ग्रुपस्टार को उसके निवेदनों में परस्पर विरोधी पाया गया था और वह पाटनरोधी आरोपी से स्वयं को बचाने में सक्षम नहीं था। ग्रुपस्टार की चीन के भीतरी हिस्सों में अपना कारखाना और कार्यालय हैं और इसने चीनी भाषा में अपने रिकार्ड को बनाया है। कंपनी के कर्मचारियों के लिए अंग्रेजी भाषा को अपनाना कठिन रहा है। विगत में भाषा संबंधी बाधाओं के कारण एडीडी मामलों में खराब प्रस्तुतीकरण के कारण का पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। चल रहा पाटनरोधी मामला तीसरा अवसर है जिसमें ग्रुपस्टार्स ने भारतीय जांचों में सहयोग किया है और इसलिए भारत के साथ व्यवसाय करने की सद्भावना साबित करने में समर्थ होने के लिए अवसर दिए जाने के पात्र हैं।
- कि चेक गणराज्य में पोटेशियम परमैंगनेट का एक सक्रिय उत्पादन होने के बावजूद यूरोपीय संघ ने चीनी पोटेशियम परमैंगनेट पर लागू पाटनरोधी शुल्क को दिनांक 16 फरवरी, 2006 का हटा लिया है।
- कि अनेक भारतीय कंपनियाँ भारत में पोटेशियम परमैंगनेट उद्योग की संभावना देखती हैं। मैग्नीज अयस्क भारत लि. (भारत सरकार का एक उद्यम) ने भारत में प्रतिवर्ष 5000 मी. टन पोटेशियम परमैंगनेट की क्षमता का एक संयंत्र स्थापित करने हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण की मांग करते हुए भारत के एक अग्रणी समाचार पत्र में विज्ञापन जारी किया था। भारत में पोटेशियम परमैंगनेट कारखाना स्थापित करने की इच्छुक अन्य कंपनियों में बोराक्स मोरारजी लि., मुंबई, फुलचंद एक्सपोर्ट्स लि., मुम्बई आदि शामिल हैं। इससे पता चलता है कि भारत में बाजार संभावना बहुत अच्छी है लेकिन यह लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण प्रतिबंधित है। वर्तमान स्थिति से पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की जरूरत उजागर होती है क्योंकि यह पूरी तरह अवांछित और इस समय पूर्णतया अनावश्यक है।

छ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहने संबंधी बात पूर्ववर्ती खंडों में पहले साबित की जा चुकी है। पूर्ववर्ती खंड में किए गए विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि

लागू सीमाशुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति होना जारी है। तथापि, शुल्क समाप्ति अथवा इसमें परिवर्तन की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने की संभावना की जांच हेतु घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की गई है।

74. घरेलू उद्योग ने यूएस आईटीसी जून, 2005 की द्वितीय समीक्षा रिपोर्ट की प्रति प्रस्तुत की है जिसमें चीन और शेष विश्व में पोटाशियम परमैंगनेट की क्षमताओं और उत्पादन का ब्यौरा दिया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि चीन के पास संबद्ध वस्तु की विश्व की कुल क्षमता और उत्पादन का 50% से अधिक है। निर्यातक ने अपने निवेदन में यह संकेत दिया है कि चीन के पास लगभग 75000 मी. टन प्रति वर्ष क्षमता है और निर्यातक द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि पूरे विश्व में क्षमता उत्पादक देशों में घरेलू क्षमताओं से अधिक है। इस तथ्य से यह बात सिद्ध होती है कि केवल 4 देश इस उत्पाद का विनिर्माण करते हैं जबकि इस उत्पाद का व्यापक अनुप्रयोग है। प्राधिकारी के ध्यान में यह भी लाया गया है कि यद्यपि ईयू द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को यूरोपीय संघ में प्रमुख उत्पादन इकाइयों के बंद होने के कारण अब समाप्त कर दिया गया है लेकिन चीन के निर्यातों पर पिछले कई वर्षों से अमरीका में पहले ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है। तथापि, चीन के उत्पादकों का प्रमुख बाजार अर्थात् अमरीका लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण प्रभावित है और पक्षकारों के निवेदनों से यह स्पष्ट है कि चीन के पास अत्यधिक निपटानयोग्य क्षमता है। इसलिए इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन में अत्यधिक निपटानयोग्य क्षमता और भारत में मांग में वृद्धि है, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि चीन के निर्यातक वैकल्पिक बाजारों की तलाश करेंगे।

75. निर्यातक ने वैश्विक रूप से संबद्ध वस्तु के कीमत ढांचे में आए परिवर्तन के मुद्दे को उठाया है। तथापि, जांच अवधि के आंकड़ों से जांच अवधि के दूसरे आधे हिस्से में कीमतों में एकाएक वृद्धि का पता चलता है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या कीमत प्रवृत्ति अस्थायी है और यह प्रमाणित करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि यह कीमत प्रवृत्ति जारी रहेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमतों में वृद्धि के बावजूद चीन से निर्यातित संबद्ध वस्तु हेतु पर्याप्त पाटन मार्जिन स्थापित किया गया है।

76. जहाँ तक भारतीय बाजार में माँग और उपभोक्ताओं के हितों का संबंध है, निर्यातक द्वारा माँग और भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु इस क्षेत्र में प्रमुख प्रतिभागियों के प्रवेश की संभावना के बारे में किए गए दावों के अलावा पक्षकारों द्वारा कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर पूर्व में किए गए माँग विश्लेषण से माँग में आधार वर्ष की तुलना में मामूली वृद्धि का संकेत मिलता है और जब इसकी कुल घरेलू क्षमता के साथ तुलना की जाती है तो माँग घरेलू रूप से उपलब्ध क्षमता से कम है। इसलिए इस तर्क को मानना उचित प्रतीत नहीं होता है।

77. दोनों पक्षकारों के उपर्युक्त तर्कों, पूर्ववर्ती खंड में स्थापित पाटन मार्जिन की मात्रा, वर्तमान आयातों की मात्रा तथा अन्य देशों को किए गए चीनी निर्यातकों के निर्यातों की मात्रा पर विचार करते हुए प्राधिकारी का मत है कि यदि शुल्क हटाए जाते हैं तो पाटित कीमतों पर निर्यातों के जारी रहने की पर्याप्त संभावना है।

78. जहाँ तक घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, लागू शुल्क के बावजूद उन कीमत स्तरों की जांच की गई है जिन पर संबद्ध देश से वस्तु का भारतीय बाजार में निर्यात किया जाता है। यह नोटिस किया गया था कि संबद्ध वस्तु की लागत और कीमतों में मध्यवर्ती अवधि में अत्यधिक परिवर्तन हुआ है। निर्यातक ने अपने लिखित निवेदनों में तर्क दिया है कि जांच अवधि

के दौरान आयातों का बड़ा हिस्सा शुल्क मुक्त/छूट मार्गों के जरिए किया गया था और इसलिए इससे घरेलू बाजार प्रभावित नहीं हुआ। तथापि, जिस कीमत स्तर पर इन वस्तुओं का निर्यात किया गया है उससे पता चलता है कि जब पाटनरोधी शुल्क के बगैर वर्तमान आयातों के पहुँच मूल्य की घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और क्षतिरहित कीमत के साथ तुलना की जाती है तो चीन के निर्यातकों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री की गई है। इस बात का कोई संकेत अथवा वैध तर्क नहीं है कि शुल्क हटाने से संबद्ध देश से आयातों के कीमत ढाँचे में परिवर्तन आ जाएगा। इसके विपरीत चीन में अतिरिक्त क्षमता और मांग आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए इस बात की पक्की संभावना है कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो कीमत स्तर में और मंदी आ सकती है जिससे घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होगी जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया है।

ज. निष्कर्ष

79. उठाए गए मुद्दों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों तथा हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों अथवा अन्यथा के जरिए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों जैसाकि उपर्युक्त जांच परिणामों में दर्ज किया गया है, और वर्तमान पाटन एवं क्षति तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा इसकी पुनरावृत्ति की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :

- (i) चीन गणराज्य से संबद्ध वस्तु ने इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर प्रवेश किया है और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन वास्तविक और न्यूनतम से अधिक हैं;
- (ii) यदि शुल्क हटाए जाते हैं तो चीन से पाटन के जारी रहने की भी संभावना है;
- (iii) घरेलू उद्योग को इस समय न्यूनतम वास्तविक क्षति होना जारी है और वर्तमान क्षति का बहुत अधिक कारण चीन गणराज्य से पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव के कारण है;
- (iv) यदि शुल्क हटाए जाते हैं तो घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहने की संभावना है;
- (v) अतः पाटन को निष्प्रभावी करने के लिए चीनी मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना आवश्यक है।

झ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

80. पाटनरोधी शुल्कों का आमतौर पर प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनःस्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार इससे उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर असर नहीं पड़ेगा।

ञ. सिफारिशें

81. पाटन, क्षति के जारी रहने संबंधी सकारात्मक निर्धारण एवं कारणात्मक संबंधों तथा चीन जन. गण. से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति होने की संभावना के मद्देनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देश से आयातों के विरुद्ध उपाय को जारी रखना अपेक्षित है। तथापि, उस देश से पाटन के वर्तमान स्तर और घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर विचार करते हुए प्राधिकारी का मत है कि लागू उपाय को संशोधित किए

जाने की जरूरत है। अतः प्राधिकारी अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे विनिर्दिष्ट विधि एवं ढंग से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं और पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की अनुशंसा करते हैं।

82. प्राधिकारी द्वारा अनुसरण किए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क, जो इस मामले में पाटन मार्जिन से कम है, को निरन्तर लागू रखने की अनुशंसा करते हैं ताकि पाटन को निष्प्रभावी किया जा सके और घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल जांच में शुल्क निर्धारित शुल्क आधार पर लगाया गया था। अतः प्राधिकारी निर्धारित शुल्क आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उपयुक्त समझते हैं और तदनुसार चीनी मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में यथाउल्लिखित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं जिसे इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू किया जाएगा।

ट. आगे की प्रक्रियाएं

83. इस सिफारिश से उत्पन्न होने वाले केन्द्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

84. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों और समय-समय पर इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार यहाँ यथाअनुशंसित निश्चयात्मक उपाय को जारी रखने, इसमें परिवर्तन करने अथवा इसे समाप्त करने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। ऐसी समीक्षा हेतु प्राधिकारी द्वारा कोई अनुरोध तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक इसे किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के भीतर दाखिल नहीं किया जाता है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष या टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	2841.61	पोटाशियम परमैंगनेट $KMnO_4$	सभी ग्रेड	चीन	कोई	मै. ग्रुपस्टार्स (यूनान), कैमिकल्स एलएलसी, चायना पीआर	मै. ग्रुपस्टार्स (यूनान), कैमिकल्स एलएलसी, चायना पीआर	123.51	मी. टन	यू.एस. डॉलर
2.	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	चीन	कोई	कोई (उपयुक्त से कोई इतर)	कोई	513	मी. टन	यू.एस. डॉलर
3.	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	कोई	चीन	कोई (उपयुक्त से कोई इतर)	कोई	513	मी. टन	यू.एस. डॉलर

684 9567-7

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 2007

SUNSET REVIEW

FINAL FINDINGS

Sub: Sunset review of definitive Anti-Dumping duty on imports of Potassium Permanganate originating in or exported from Peoples Republic of China.

A. INITIATION

No. 15/5/2006-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter also referred to as the ACT) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as Rules),

2. WHEREAS the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), vide its final findings on 8th Sept 2001, recommended imposition of definitive Anti Dumping Duty on imports of Potassium Permanganate (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China P.R., Hong Kong and Chinese Taipei and definitive antidumping duty was imposed by the Central Govt. vide Notification No: 113/2001 dated 01.11.2001 as amended by Notification No: 85/2003-Customs dated 27.05.2003.

3. AND WHEREAS, the Authority conducted a mid term review of the measure in force, on the request of the exporters of the subject goods from China PR i.e. M/s Groupstars Chemical (Yunan) China LLC, China PR, a joint venture between Yunan Province Jianshui County Chemical Industry Factory, China PR, Groupstars Chemical LLC, USA and Beijing Zhonghui Yuantong Investment consultation Centre, Beijing and issued its final findings notified vide notification dated 3rd June 2005 recommending continued imposition of the duty on the subject goods originating or exported from China PR. The Authority also recommended withdrawal of duty on the subject goods originating in or exported from Hong Kong and Chinese Taipei.

4. AND WHEREAS acting on the recommendation of the Designated Authority, the Central Government, vide notification No. 82/2005-Cust, dated 14.09.2005, modified the duty on the subject goods originating or exported from China PR and withdrew the duty on the subject goods originating or exported from Hong Kong and Chinese Taipei.

5. AND WHEREAS On the basis of a duly substantiated request made by M/s Universal Chemicals Ltd, one of the domestic producers, commanding a major proportion of the domestic production of the subject goods, the Designated Authority initiated a sunset review of the Anti Dumping Duty in force on the imports of the subject goods from China PR (hereinafter referred to as subject country), vide notification dated 3rd March 2006, under Section 9 (A) 5 of the Acts, to examine

whether cessation of antidumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. M/s Eshaditi Chemicals, another producer of the subject goods, which has set up a new production unit of the subject goods and started commercial production in July 2005, have also filed a separate request for the same.

6. AND WHEREAS vide notification No. 26/2006-Cus dated 10.03.2006, the definitive duties were extended by the Central Govt. under Section 9A (5) for a further period of one year, i.e., till 12th march 2007.

B. PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

- i) After initiation of the sunset review the Authority sent questionnaires, alongwith the initiation notification, to all known exporters/producers in the subject countries, and domestic industry in India in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information;
- ii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iii) Questionnaires were sent to known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).
- iv) Investigation was carried out for the period starting from 01.10.2004 to 30.09.2005 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2001-02 to 2004-05 and POI.
- v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;
- vi) The following known producers of the subject goods, in India, were also requested to file their cost and injury information for injury and Non-injurious price determination:
 - a) M/s. Eshaditi Chem. Pvt. Ltd; and
 - b) M/s. Libox Chem (I) Pvt. Ltd
- vii) Questionnaire response has been received from M/s Groupstars Chemical (Yunan) China LLC, China PR. No other exporter from the subject country has submitted any response, in any manner, to the initiation notification.
- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

- ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).
- x) The information furnished by the cooperating exporter from the subject country were also verified so as to determine the degree and extent of dumping and likelihood of dumping in the event of withdrawal of duty.
- xi) The Authority held a public hearing on 9th January 2007 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry, exporters of the subject goods from China. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding;
- xii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts under consideration of the Authority and the basis of determination proposed to be adopted were disclosed to known interested parties as general disclosures and confidential disclosures vide disclosure statement dated 15th February 2007. The views of the interested parties, to the extent they are relevant and supported by evidence, have been considered by the Authority in these findings.
- xiii) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties' alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. **** In the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'

8. The product under consideration in the original investigation and the product attracting antidumping duty is Potassium Permanganate, which is an inorganic chemical. Potassium Permanganate is a dark purple crystalline material. It is a compound of manganese, potassium and oxygen. The product is odorless and soluble in water. The chemical formula of Potassium Permanganate is KMnO_4 . The product is classified under custom sub-heading 2841.61 of the Custom Tariff Act, 1975. This being a sunset review investigation, this investigation covers the product covered in the original investigation only. No argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration or like article and therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject country are alike in all respect.

D. Domestic Industry and standing

9. The Authority notes that there are three known producers of the subject goods in the domestic market in India namely, M/s Universal Chemicals, M/s

Eshaditi Chemicals Pvt. Ltd, and M/s Libox Chem. (I) Pvt. Ltd. M/s Eshaditi Chemicals has also filed a separate application for the sunset review. However, this producer has commenced production only during the POI of the current investigation. M/s Libox Chemical, the third known producer, has also a very marginal production commenced during the POI. However, these producers commanded approximately 12% of total production during the POI. The application for the sunset review has been filed by M/s Universal Chemicals commanding about 88% of total domestic production and therefore, commands the standing to file the application in terms of Rule 2(b). However, in order to determine the non-injurious price and injury determination for the domestic industry as a whole M/s Eshaditi and M/s Libox were also asked to file their cost and injury data. But these producers have not filed any information before the Authority. The Authority notes that these two producers have commenced their production towards the last quarter of the current POI and therefore, their cost and injury data would not be very relevant for the current case. No argument has been raised by any interested party about the standing of the applicant to file this application. Therefore, the Authority holds that the applicant constitutes the domestic industry for the purpose of this investigation.

E. DUMPING DETERMINATION

10. The Authority, notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, provides that the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

11. The Authority notes that only one exporter from China PR i.e., M/s Groupstars (Yunnan) LLC, PR China has filed its questionnaire response after seeking extension of time.

354 47/07-8

12. In view of the non-market economy presumption in respect of the Peoples Republic of China, and market economy claims by the individual exporter mentioned above, the Authority has examined as to whether the responding exporters can be given individual market economy treatment. In this connection the Authority examined whether these exporters are operating under market signals and their commercial operations are not affected by any significant state intervention.

E.1 Examination of Market Economy Status

E.1.1 M/s Groupstars (Yunnan) LLC, China PR

13. The Authority notes that in the previous investigation M/s Groupstars (Yunnan) Chemicals LLC participated as the producer of the subject goods alongwith the related exporter M/s YPJCCIF and after detailed examination of the status of the parties involved the Authority determined that the exporter and the producers had significant state holding in the joint venture and there is a significant carry over of distortions from the erstwhile market economy system, as a result of which the cost and prices of the company did not reflect the market signals. Accordingly, market economy status was not granted to this exporter in the previous investigation. However, M/s Groupstars has made a claim for market economy treatment in this investigation and accordingly, filed a detailed submission in terms of para 7 & 8 of the Annexure-I of the Antidumping Rules. On the basis of the questionnaire response filed by the exporter verification was carried out in the premises of the exporter to establish whether there is any significant change in the status of the exporter and whether the company operates as per market signals.

14. Referring to the findings of the Authority in the previous mid-term review investigation the exporter was asked to explain the current status of the company and provide the copies of current registration documents, shareholding documents and any other document that can provide clear understanding of its holding patterns and status. The company produced its recent registration documents for verification. However, it was revealed that though the company was undergoing significant transformation in terms of shareholding patterns during the POI, actual transformation has taken place only after October 2005. During the POI the Company continued to be a joint venture between Yunnan Province Jianshui County Chemical Industry Factory (YPJCCIF), China.P.R.; Groupstars Chemical LLC, USA.; and Beijing Zhonghui Yuantong Investment Consultation Center, China P.R. The Authority notes that M/s Groupstars (Yunnan) LLC, China in its questionnaire response has indicated that there was still a significant state holding in their joint venture partner M/s YPJCCIF during the POI.

15. During the verification it was revealed that M/s Groupstars Chemical L.L.C., USA, a private incorporated company in the United States of America (USA), represented by its legal representative Mr. Eugene Ji, held 52% of the shares of Groupstars (Yunnan). However, the shares held by M/s Groupstars LLC USA have since been transferred to a Taiwanese investor Mr Guo Zhou Feng in November 2006.

16. M/s Beijing Zhonghui Yuantong Investment Consultation Center, a Joint Stock (Partnership) Company with four shareholders registered in China.P.R,

represented by its legal representative, Mr. He Daofeng, originally held 8% of the shares of the JV. Shares held by this Investment Company have also been transferred to M/s Yunnan Chuan Economic & Trading Co. Ltd in November 2006.

17. Yunnan Province Jianshui County Chemical Industry Factory, which held 40% of the shares of Gropustars (Yunnan), was a state owned company registered in China.P.R, represented by its legal representative Mr. Zhang Guo Yi. However, due to significant loss since 1996 this company was declared bankrupt by the Jianshui County Peoples Court on 8th October 2005 and the assets of the company was ordered to be taken over by the Bankruptcy Clearance Group appointed by the Court. This business entity has since gone into liquidation and the share held by YPJCCIF has been taken over by M/s Yunnan-Fulsan Resource Development Co. Ltd as per the registration/approval of the share transfer issued by Hong-Ho Autonomous state Chamber of Commerce dated 3rd November 2006. The Authority notes that since these are the developments after the POI they are not much relevant for the current investigation. During the POI there was no change in the status of the company as determined in the review investigation and the exporter, in its response, has also indicated that the shares held by YPJCCIF were state controlled. Therefore, the Authority notes that during the POI the company continued to have significant state involvement and none of the conditions, based on which the determinations about the status of the exporters were made in the previous investigation, have changed.

18. It was however noted that during the POI Gropustar (Yunnan) started direct exports to India and other countries after obtaining the export license from the Ministry of Commerce. Sample copies of Groupstars Export approvals and export license for dual use items and technologies, pertaining to the period of investigation have been provided by the company.

19. In view of the foregoing the Authority holds that the producer-exporter in the current investigation, i.e., M/s Groupstars (Yunnan) Chemicals LLC, China continued to operate under non-market economy conditions and its costs and prices do not reflect the true market determined price of the commodity. Therefore, this exporter cannot be extended the benefits of market economy treatment under the above circumstances.

E.2 Determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin, PR China

E.2.1 Normal Value: All exporters from China

20. The Authority notes that the applicant's request for determination of normal value on the basis of their domestic sales transaction and grant of market economy status of the said purpose cannot be accepted in view of the reasons recorded in the previous section. No other exporter from China has made any submission. Since none of the responding exporters have met the requirements for grant of individual market economy status for the purpose of determination of normal value in terms of Paragraph 8 of Annexure-I of the Antidumping Rules, the Authority has determined the normal value for all Chinese exporters in terms of para 7 of the Annexure-I of the Antidumping rules, based on international price of raw materials in the country of exports and cost of utilities and other associated costs as determined

by the Authority and a reasonable profit margin of *****% on the cost of production. Accordingly, constructed normal value for all exporters worked out as US\$ ***** Per MT.

E.2.2 Export Price:

a) M/s Groupstars LLC China

21. As per the questionnaire response filed by M/s Groupstars, this exporter has exported ***** MT of the subject goods to India during the POI.

22. The domestic industry, in its post public hearing submissions has raised the issue of difference between the export price as indicated in the China Customs data and the import price as indicated in the DGCIS data. This issue has been examined in detail during the verification with reference to the VAT invoices and other documents filed by them with the Chinese customs Authorities at the time of export. The customs invoices filed by the exporters did show lesser value compared to the invoice price shown by the exporter in its commercial invoices and the appendix 2 of the questionnaire response. The exporter clarified that firstly, the export price declared by them to the China Customs (in the customs declaration and customs invoice) is the FOB price for the purpose of VAT and price shown in the commercial invoice is the CIF price. Secondly, the FOB price declared by the exporter to the customs for exports is based on the price shown in the export licence/permit issued by the Ministry of Commerce, which in turn is based on the original contracted price. It was clarified that the contracted price is the price at which the importer places a bulk long-term contract (usually for one year), whereas the actual transaction price is re-negotiated depending upon the actual market situation at the time of shipment/re-negotiation. Therefore, the actual realization is higher or lower depending upon the market situation. The VAT is paid on the FOB value declared on the customs invoice and reconciled periodically. It was noticed that during the POI the exporter has realized higher prices on almost all export shipments to various countries, including India, and the bank has certified actual realization. The bank certificates of realizations have been further certified by the foreign exchange bureau of China PR regularizing the additional foreign exchange received against the export transactions. In view of the above, the actual realization as certified by the bank, based on the commercial invoices, has been treated as the export price to various countries, including India (as provided in the appendix 2).

23. The domestic industry, in its post disclosure submissions, has refuted the arguments of the exporter and has submitted that there is no legal and factual basis for the arguments that merely because actual transaction price was allegedly higher than the contracted price, the exporter would present only the contracted invoice information to the China Customs. It has also been submitted by the domestic industry that it is the onus of the exporter to back up its arguments with relevant Chinese laws. The domestic industry has further argued that in a situation like this the contracted price is more relevant than the invoiced price because it reflects the pricing behavior of the exporter, more so in a sunset review which evaluates the likelihood aspect. In the views of the domestic industry the contracted price represents the likely price scenario if the duties are withdrawn.

24. The Authority notes that the purpose of the antidumping law is to determine the price at which the goods have entered the importing country market, which is reflected by the transaction value in the commercial invoices and remittance documents. The transaction documents presented by the exporter in this case establishes the transaction price of the goods exported to the Indian market and the banks as well as concerned foreign exchange authorities have certified the actual transaction value. Therefore, the Authority does not find it necessary to get into other issues of violation of any domestic law of China by the exporter, if any, as raised by the domestic industry. As far as the issue of contracted price and invoice price for the purpose of dumping determination is concerned, the Authority notes that when there are actual transactions during the POI, the dumping margin is determined on the basis of actual exports made during that period and for the purpose of such determination the transaction price is relevant.

25. The exporter also produced a revised appendix 2 indicating the cost of inland and overseas transport and other direct selling expenses i.e. insurance and handling expenses, port charges etc. Direct selling expenses upto the port of loading worked out to US\$****/- MT. The ocean freight, insurance and handling charges as verified from the actual invoices have also been considered to bring the export price to the ex-works level. The exporter has not paid any commission or rebates on these transactions. Since the export packing and domestic packing are same (in GI drums) and the cost of packing has been included in the cost of production, no separate adjustment for packing has been claimed.

26. The Authority also notes that the exporter paid VAT @ 17% on the FOB value of the invoice on all shipments made to India and refund has been claimed @ 5% on the FOB value after exports as per China PR's VAT refund regulation. Therefore, for the purpose of net export price determination, the export price is required to be adjusted net of all expenses and differential VAT payments (@12% of FOB value) to arrive at net-ex-works export price as follows:

Qty in MT	Invoice value	less Before FOB expenses	Less after FOB expenses	Less Differential VAT paid	Net Value	Net price US\$/MT
*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

b) Export Price others

27. Export price for other exporters from China PR has been determined based on the DGCIS data as follows:

Qty in MT	Invoice value	Unit CIF Price US\$/MT	Less all Direct selling expenses as per cooperating exporters data US\$/MT	Net price US\$/MT
*****	*****	*****	*****	*****

E.2.3 Dumping Margin:

28. The constructed normal value has been compared with the net export price determined at the ex-factory level to determine the dumping margin. The dumping margin for the exporters from China works out as follows:

6845567-9

Dumping Margin Calculations				
	Constructed Normal	Net Export	Dumping	Dumping
	Value	Price	Margin	Margin %
M/s Groupstars	*****	*****	*****	49%
Others	*****	*****	*****	93%

29. The Dumping Margins so determined for all exporters from China has been found to be significant and above de-minimis.

F. INJURY DETERMINATION

F.1 Continuation of Injury

F.1.1 Views of the interested parties

30. The domestic industry argued that it continues to suffer material injury due to continued dumping from China even after imposition of the duties. It has been argued that though the volume of imports decreased after imposition of duty, the volume has remained significant. None of the other interested parties have offered any views with respect to injury caused to the domestic industry by dumped imports.

F.1.2 Examination by the Authority

31. The Authority has taken note of various arguments raised by domestic industry in their submissions and issue of continuation of injury to the domestic industry has been examined in the light of these arguments made before the Authority.

32. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

33. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

34. Since positive dumping margin has been established for the exports from China, entire exports from those countries has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal link examination.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

35. The effects of the volume of dumped imports from the subject country as well as imports from other countries have been examined as follows:

i) Import Volumes and share of subject countries:

36. The domestic industry had raised the issue of correctness of import data as reported by DGCIS in the light of significantly high prices reported in the DGCIS statistics, as compared to the Chinese customs data. The issue has already been examined in the previous section. As far as the difference in quantity as reported in China customs data and DGCIS data is concerned the Authority notes that while the China customs data is based on the dates of exports, the DGCIS data is based on dates of imports and accordingly, quantity in these two data sets differ depending upon the shipment and clearance dates. Therefore, the Authority proceeds with the data as reported by DGCIS for the purpose of injury examination.

Quantity in MT				
Country	2002-03	2003-04	2004-05	POI October 04-Sept 05)
China	166.50	384.00	304.90	176.90
Trend	100	231	183	106
Others	146.32	63.00	20.00	30.85
Trend	100	43	14	21
Total	312.82	447.00	324.90	207.75
Trend	100	143	104	66

37. The data shows that even after imposition of antidumping duty, export of the subject goods from China has been significant, both in absolute term of volume and in relation to total imports to India.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Production of the Domestic Industry

Quantity in MT				
Particulars	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 - Sep 05 (POI)
Capacity	2400	2400	3600	3600
Output - Qty	2356	2249	2407	2235
Trend	100	95	102	95
Capacity Utilization	98%	94%	67%	62%

38. The production data of the domestic industry reveals that the domestic industry has enhanced its capacity in view of rising demand and in anticipation that the imposition of anti-dumping duty on dumped imports would enable the domestic industry to increase its production and sales volumes. However, the production remains more or less at the same level. Therefore, the capacity utilization has declined compared to the base year. The Authority also notes that the company suffered production loss of about a month due to floods in Maharashtra in July 2005. As a result of which the production during the POI has been marginally less compared to the previous period.

b) Sales of Domestic Industry

Particulars	2002-03	2003-04	2004-05	Quantity in MT
				Oct 04 – Sep 05
Sales (Domestic)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	107	113	113
Sales – (Exports)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	97	95	94
Sales - Total	*****	*****	*****	*****
Trend	100	103	105	97

39. The data above shows that the sales volume of the domestic industry, in the domestic market has increased by about 13% compared to the base year though it has remained more or less same compared to the previous year. The Authority also notes that the sale of the domestic industry was marginally affected for about a month because of the floods in the state during July 2005.

c) Demand and Market Share

Quantity in MT

Demand	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
Sales (Domestic)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	107	113	113
Sale others	0	0	0	*****
Imports	312.82	447.00	324.90	207.75
Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	114	111	122
Shares				
DI	100	94	102	92
other producers	-	-	-	-
Dumped imports	100	202	165	87
other imports	100	38	12	17

40. Total domestic demand of the product under consideration has increased by about 22% during the POI. The sales of the other new producers have been estimated to be around 300 MT based on a monthly production of 50MT for three months during the POI as per the information provided by the domestic industry and M/s Eshaditi Chemicals in its preliminary application. The share of applicant domestic industry, in the total demand, has declined whereas the share of China has remained significant throughout the investigation period.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

41. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from China has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

42. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry, worked out based on the verified costing information of the

Domestic Industry, have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

(i) Price undercutting and underselling effects

Particulars		2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
Cost of Sales	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	89	97	99.6
Selling Price	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	99	107	114
Landed Value China (without antidumping duty)	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Price undercutting	Rs./MT	(*****)	*****	*****	*****
% Price undercutting	%	(*****)%	*****%	*****%	0-10%
Non Injurious Price	Rs./MT				*****
Price underselling	Rs./MT				*****
Price underselling %	%				5-15%

43. The above data shows that the landed value of imports as well as the selling price (net sales realization) of the domestic industry has increased significantly during the POI. However, the cost of sales of the subject goods has also gone up significantly, both for the domestic industry as well as the exporters from China after significant decline in 2003-04. The landed value of imports from China without antidumping duty is still significantly below the cost of sales and selling price of the domestic industry.

44. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from China over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value as reported in DGCIS data.

45. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

46. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed price of imports from China has been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI and cost of production for the remaining years.

47. The price undercutting and price underselling (without considering the antidumping duty in force) has been found to be substantial. However, the landed value, inclusive of the antidumping duty, is above the domestic selling price and the non-injurious price determined for the domestic industry.

684 4567-10

(ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

48. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject country.

49. The cost of production and selling price of the subject goods declined in 2003-04 and increased thereafter mainly due to change in the raw material price structure. The selling price increased in the subsequent period as a result of the enhancement of anti-dumping duty in force. However, the selling price during the POI has not been sufficient to cover the full cost of production. Therefore, dumped imports without antidumping duty seem to have suppressing effect on the prices of the domestic industry.

(C) Examination of other Injury Parameters

50. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters, which could indicate existence of injury to the domestic industry, have been examined as follows:

i) Productivity

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
Productivity	Per-employee	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	112	131	118

51. Productivity of the domestic industry has been measured in terms of its labor productivity of the output and it has been noticed that the productivity has improved because of marginal reduction in the workforce. The industry has attempted an improvement in productivity to cut cost and remain competitive.

ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

52. Though total revenue of the domestic industry from its domestic operations has improved due to increase in domestic sales, the industry continues to suffer loss during the investigation period. The industry has not been able to realize a fair price to recover its cost due to prevailing price level of dumped imports. However, the loss per unit of production has declined.

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
Profits					
Cost of Sales	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend		100.00	88.82	96.79	99.59
Selling Price	Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend		100.00	99.10	106.82	114.48

Profit/Loss	Rs./MT	(****)	(****)	(****)	(****)
Trend		-100.00	-24.24	-33.79	-6.10
Total Profit/Loss on Domestic Sales	Rs. Lacs	(****)	(****)	(****)	(****)
Trend		-100.00	-26.05	-38.17	-6.88

iii) Employment and wages

53. The employment condition of the domestic industry shows that the employment level and wages have declined even though there is a capacity increase.

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
Employment					
No. of Employee	Nos.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	85	78	81
Wages					
Direct Labor	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	89	99	93

iv) Return on investment and ability to raise capital

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Return on Investments					
Gross Block	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	109	116	236
Working Capital	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	68	101	85
Capital Employed (total)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	98	112	193
Capital Employed Domestic	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	102	120	225
Profit / Loss before interest on Domestic Sales	Rs. Lacs	(****)	(****)	(****)	****
Trend		-100	-16	-33	0.3
Return on Capital Employed (NFA)	%	(****)	(****)	(****)	****
Trend	Indexed	-100	-17	-29	0.1

54. The Authority notes that the return on capital employed by the domestic industry has improved after imposition of the antidumping duty though it has remained negative throughout the investigation period except for the period under investigation. In the POI, the return on investment is only marginally positive. However, the Authority notes that the company has added additional capacity in the previous year with additional investment though the output and revenue from this investment has not yet accrued. Therefore, the return on investment may not provide a clear indication of the condition of the domestic industry.

v) Cash flow

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05 (POI)
Cash Profit (Domestic)					
Profit Before Tax	Rs. Lacs	(*****)	(*****)	(*****)	(*****)
Trend		-100	-26	-38	-6.9
Depreciation	Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Trend		100	100	113	165
Cash Profit (Domestic)	Rs. Lacs	(*****)	(*****)	(*****)	*****
Trend		-100	-10	-22	28.1

55. Examination of cash flow position of the domestic industry indicates that the condition of the domestic industry has improved after imposition of the antidumping duty.

vi) Investment

56. There has been capacity addition in 2004-05 in anticipation of increased sales volumes as a result of enhancement of anti-dumping duty on dumped imports.

vii) Magnitude of Dumping

57. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country, for the POI, is substantial, even when the antidumping duty is in force.

viii) Factors affecting prices

58. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. There is no viable substitute to this product. M/s Universal Chemicals is the major producer of the subject good in India. In addition to the petitioner, two more companies, M/s. Eshaditi Chem. Pvt. Ltd and M/s. Libox Chem (I) Pvt. Ltd. have commenced production of Potassium Permanganate since July 2005. These producers have commenced production very recently and the volume of production by these producers was only 12% of the total production. Therefore, domestic competition does not seem to have affected the prices significantly. In view of the above the dumped import prices appear to have affected the prices of the domestic industry.

ix) Inventories

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	Oct 04 – Sep 05
-------------	------	---------	---------	---------	--------------------

Average Inventories	MT	*****	*****	*****	*****
Inventories as % of production	%	6.75	5.65	2.45	1.97
Trend	Indexed	100	84	36	29

59. The data indicates that domestic industry has been able to liquidate inventories after the imposition of Anti Dumping Duty.

F.2 Other Known factors and Causal Link

60. Having examined the volume and price effects of dumped imports and other economic parameters that may indicate injury if any suffered by the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country, the Authority has also examined to find other known factors, if any, that might be injuring the domestic industry at the same time so that injury caused by such factors are not attributed to the dumped imports. In this connection the Authority notes that the interested parties have not brought any other evidence factor that might have affected the domestic industry during the POI. However, in this connection the following non-attribution factors listed in para v of Annexure II to the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

61. As per the DGCI&S data, during the POI, other than China, imports have taken place from USA only. Quoting other data sources the domestic industry has claimed that few consignments of the subject goods of Chinese origin have been transshipped through Malaysia. However, the Authority notes that the imports from all other sources taken together constitute about 15% of total imports and the price of imports from such sources are significantly higher compared to the import price from China. Therefore, these imports do not appear to have significant effect on the domestic industry, both in terms of volume and value.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

62. Total domestic demand of the product under consideration increased throughout the investigation period. The share of domestic industry, in the demand, has significantly declined, whereas the share of China increased in 2003-04 and declined thereafter, but remained significant during 2004-05 and the POI. There is no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which can be attributed to the injury to the domestic industry.

ii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

63. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. M/s Universal Chemicals is the major producer of the subject goods in the country. The other two producers have entered the domestic market only towards the last quarter of the POI with a very small market share. Major portion of the imports of the subject goods takes place from China.

Other exporting countries do not have substantial market share in Indian market to effectively compete with these two market players. Therefore, the current injury to the domestic industry cannot be attributed to trade restrictive practices or competition between foreign and domestic producers.

iii) Development of technology and export performance

64. Production of Potassium Permanganate is not a highly technology intensive process. The production facility of the foreign producer in China was also verified and it was seen that the producers apply similar production technology and rather old plant and machinery. Therefore, development of technology or inefficient method of production of the domestic industry cannot be treated as a cause of injury to the domestic industry.

Particulars	2002-03	2003-04	2004-05	Quantity in MT
				Oct 04 – Sep 05
Sales – (Exports)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	97	95	94

65. The export performance of the domestic industry was found to be better than its domestic performance. They have been able to realize higher price in the export market and their export volume has remained steady during these years except for the POI where there was a drop in export volume due to flood in Maharashtra during July 2005. Therefore, export performance cannot be attributed as a reason of injury suffered by the domestic industry.

iv) Productivity of the Domestic Industry

66. Productivity of the domestic industry in terms of labor output and daily output has shown substantial improvement. Therefore, productivity is not a factor, which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact domestic industry has tried to reduce its losses in its domestic operation through improvement in productivity.

F.3. Conclusion on current injury and causal links

67. The above analysis of injury parameters and examination of non-attribution factors indicate that though there is improvement in several parameters, the domestic industry continues to suffer material injury in terms of low profitability and return on investment, poor cash flow position and price suppression and depression due to the dumped imports from the subject country. The injury has been caused by the volume and price effects of dumped imports from the subject country.

F.4 Determination of Non-injurious Price of the Domestic Industry

68. Non-injurious Price of the subject goods in India has been worked out by the Authority after a detailed analysis and scrutiny of the cost of production and other information provided by the domestic industry. As recorded earlier the cost of

production and other information of the other known producers of the subject goods were not found to be relevant for this investigation as these producers are stated to have commenced commercial production only towards the end of the POI of this investigation. Accordingly, weighted average Non-injurious price of the subject goods for the domestic industry has been determined by the Authority as Rs. *****/- per MT.

F.5 Magnitude of Injury and injury margin

69. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports as per the verified data of the cooperating exporter and data compiled from DGCIS database for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

Injury Margins	NIP	M/s Groupstars	Others
	Rs/MT	US\$/MT	US\$/MT
NIP	*****	*****	*****
Landed Value	*****	*****	*****
Injury Margin	*****	*****	*****
Injury Margin % of Landed Value		0-10%	25-35%

G LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

70. Section 9A (5) of the Act requires the Designated Authority, in an expiry review, to examine whether cessation of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

G.1 Views of interested parties

71. The domestic industry, has argued that the current state of the domestic industry is not the material fact for a review of this nature. They plead that in a review the Authority is required to examine the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to arrive at a decision to continue or vary or remove the duty so as to offset dumping. The domestic industry, in its submission, has quoted the law and practices and standards of reviews in several countries to highlight the fact that determination of likelihood of 'continuation or recurrence of dumping and injury' is vital in a review investigation. They have *inter alia* submitted:

1. That the Chinese producers in general and the responding exporter in particular, are still dumping material in the Indian market;
2. That Domestic industry is suffering continued injury due to dumped imports from subject country, in spite of improvement in its performance and

- conditions; and should the Anti Dumping Duty be revoked, the injury to the domestic industry would recur or intensify;
3. That export price and landed price of imports from China has increased over the years. However, the prices are still undercutting the prices of domestic industry;
 4. That large scale imports are being made taking undue advantage of duty free import exemptions granted by the Govt. of India;
 5. That there is increase in the cost of production. However, the Chinese exporters have not raised their export price to India commensurate with the cost of production.
 6. That though there is increase in selling price of the domestic industry, the price at which domestic industry is selling material is not a remunerative price.
 7. That in a situation where the domestic industry matches the prices of the imported product fearing total loss of domestic sales, it is evident that the selling price of the domestic industry would become equal to the present landed price of imports. This would lead to higher financial losses and significant deterioration in return on capital employed and cash profits.
 8. That the Chinese producers are holding significant surplus capacities and the demand in China is significantly below the capacities created by them. It has been argued that China's production of over 20,000 Tonnes per year of the subject goods is far in excess of its domestic consumption and therefore, they have to be necessarily exported. Therefore, there is a great possibility that revocation of duty would lead to surge in imports and severe injury to the domestic industry.
72. The cooperating exporter from China, in its post public hearing submissions, has argued *inter alia* that
- That the issues raised by Universal Chemicals and Industries Pvt. Ltd. are grossly insufficient to warrant continuation of anti-dumping duty on Potassium Permanganate exported from China.
 - That the Domestic Industry for Potassium Permanganate is flourishing and two new manufacturers starting production in the past few years. The applicant has also increased its production capacities.
 - That the consumers of Potassium Permanganate in India are facing procurement problems and have been forced to use alternate raw materials for a long time in event of high anti-dumping duty on imported Potassium

Potassium Permanganate. The actual Indian market for Potassium Permanganate is much larger as it has accommodated 2 new manufacturers of the subject product. The applicant with its limited capacity has not been able to meet the demand.

- That China's Potassium Permanganate production capacity does not pose any threat to Indian Domestic Industry. Only 4 countries are known to produce Potassium Permanganate in the world including USA, Czech, India and China. Many manufacturers of Potassium Permanganate worldwide have shut down their production because of strained raw material supply (For eg.: Germany, Spain, Ukraine etc.). The reason for few manufacturers/-manufacturing countries worldwide is limited raw material resources in the respective countries with limited supply. This is the main reason for all current Potassium Permanganate manufacturing countries having capacities higher than their respective domestic market. All manufacturers of Potassium Permanganate are exporters of the same from their respective countries. China exports to more than 50 countries worldwide including India.
- That Anti-dumping duty on Chinese Potassium Permanganate in India has been in effect for almost 12 years. The average exports of Potassium Permanganate from China to India over the past 12 years have consistently been below 250 MTs per annum irrespective of the quantum of anti-dumping duty in force. The importers of Potassium Permanganate in India are done by the importers belonging to the duty free/exemption category or export-oriented units. This means that the anti-dumping duty that existed in India prevented the imports completely and gave the only Indian manufacturer monopoly. With the anti-dumping duty in force for more than a decade, normal Indian consumers were always unexposed to imported Potassium Permanganate. Considering the Chinese production capacity of Potassium Permanganate is 75000 MTs per annum, the exports to India (Below 250 MTs per annum) account for a miniscule percent. Since China has not dumped Potassium Permanganate to India for more than a decade, the case presents itself for removal of anti-dumping duty in force because it is no longer necessary or warranted.
- That the export prices from China to India have moved as per the global price fluctuations and are entirely market condition based. The DGCI&S, IBIS and China Customs' records as submitted by the applicant show that the exports prices of Potassium Permanganate from China to India have risen over the past couple of years. The applicant has acknowledged that the import price of Potassium Permanganate from China to India has gone up by about 100% (From Rs. 41/Per Kg to Rs. 81/- per Kg).
- That the difference in declared exports prices in China and declared import prices in India is because of price fluctuations based on market conditions. The applicant has pointed out that the export price declared by China customs is lower than the import price declared by India customs. It has been proved to the verification team of the designated authority during the verification visit that the export is purely based on market situation and is

684 GS/07-12

subject to price fluctuations. Potassium Permanganate being a narcotic listed product, the exporting company from China needs to apply for export permission from the Narcotics Control Bureau. The exporting company negotiates a price and signs a sales contract with the buyer. The price is subject to prevailing market prices at the time of effecting export/ dispatch. The exporting company then applies for export permission from the Narcotics Control Bureau, Beijing. It takes 3-4 months from the date of application to get the requisite export permit. The said exports permit includes the sales price as per the sales contract at the time of application and the same needs to be submitted to the China customs, to effect dispatch. However, the export is indeed affected on prevailing market prices at the time of dispatch. In the said case, the sales contract was signed much earlier based on which the export permit was obtained and dispatch affected later based on prevailing market price conditions. Therefore, the actual exports price was higher than the price originally negotiated while signing sales contract and as per the export permit. The sale is finally done on the prevailing market prices at the time of dispatch and payment collected accordingly. The records of Chinese Customs therefore show the price as per the export permit and the records as per Indian Customs show the actual price at which the sale was concluded. The case also highlights the point that the exporting company has done business with India on market principles and market conditions and presents a strong case for itself.

- That Past results of Anti-Dumping investigations related to Groupstars in India and USA cannot be the criteria for determining the present case. The applicant has pointed out that in the past investigations, Groupstars was found to be inconsistent in its submissions and was unable to protect itself from Anti-Dumping allegations. Groupstars has its factory and office set-up in the interiors of China and maintained records in Chinese language. English language has been difficult to adapt by the company officials. The poor presentation of ADD cases in the past because of language barriers has caused Groupstars to suffer enough already. The ongoing Anti-Dumping case is the third occasion, wherein Groupstars has co-operated with the Indian investigations and therefore deserves an opportunity to enable prove its bona-fide to do business with India.
- That the European Union revoked the Anti-Dumping Duty applicable on Chinese Potassium Permanganate on 16th Feb 2006 despite there being one active producer of Potassium Permanganate in Czech Republic.
- That Many Indian companies see potential for Potassium Permanganate industry in India. Manganese Ore India Limited (A government of India undertaking) released an advertisement in a leading newspaper in India seeking technology transfer for setting up a 5000 MTs per annum Potassium Permanganate plant in India. Other companies interested in setting up Potassium Permanganate factory in India include Borax Morarji Limited, Mumbai, Phulchand Exports Limited, Mumbai, etc. This shows that the market potential in India is much better but curbed due to anti-dumping duty in place. The present situation highlights the need to discontinue the anti-

dumping duty, as it is grossly unwarranted and totally unnecessary at this point of time.

G.2 Examination by the Authority

73 The Authority notes that continuation of dumping of the subject goods from China PR has already been established in the previous sections. Analysis in the previous section also shows that in spite of the antidumping duty in force, and the domestic industry continues to suffer material injury due to such dumped imports. However, the arguments of the domestic industry and the interested parties have been examined for test of likelihood of continuation of dumping and injury in the event of withdrawal or variation in the duty.

74 The domestic industry has submitted a copy of the second review report of US ITC, June 2005, which provides the details of the capacities and production of potassium permanganate in China and rest of the world. The data indicates that China commands more than 50% of total world capacity and production of the subject goods. The exporter in its submission has indicated that China has a capacity of about 75000 MT per Annum and it has also been contended by the exporter that the capacity world over is in excess of the domestic capacities in the producing countries. The very fact that there are only 4 countries manufacturing this product whereas this product has a wide application proves this point. It has also been brought to the notice of the Authority that Chinese exports are already attracting antidumping duty in the USA for past several years though the antidumping duty imposed by the EU has since been withdrawn because of closure of major production units in the European Union. However, the major market of Chinese producers, i.e., USA, is affected because of the antidumping duty in force and it is clear from the submissions of the parties that China has a significant disposable capacity. Therefore, it is most likely that the Chinese exporters would be looking for alternative markets given the fact that there is a significant disposable capacity in China and growth in demand in India.

75 The exporter has raised the issue of change in price structure of the subject goods globally. However, the POI data indicates a sudden rise in prices towards the second half of the POI. It is not clear whether the price trend is temporary and no concrete evidence has been placed to argue that the price trend would continue. The Authority notes that in spite of upward movement of prices a significant dumping margin has been established for the subject goods exported from China.

76 As regards the demand in Indian market and interests of the consumer, except the assertions made by the exporter about the demand and likelihood of entry of major players into this sector for manufacturing of the subject goods in India, no concrete evidence has been placed by the parties. The demand analysis done earlier based on the data available with the authority indicates a moderate increase in demand over the base year and when compared with the total domestic capacity the demand is less than the capacity available domestically. Therefore, this argument does not seem to hold.

684 5567-13

77. Considering the above arguments of both the parties; the extent of dumping margin established in the previous section; and the volume of current imports, as well as the volume of exports of Chinese exporters to other countries, the Authority is of the view that there is a reasonable possibility of exports continuing at dumped prices if the duties are withdrawn.

78. As far as continuation or recurrence of injury to the domestic industry is concerned, the price levels at which the goods are exported to the Indian market from the subject country, in spite of the duty in force, have been examined. It was noticed that the cost and prices of the subject goods have undergone significant change in the intervening period. The exporter has argued in its written submissions that during the POI major part of the imports were through the duty free/exemption routes and therefore, did not affect the domestic market. However, the price level at which these goods have been exported indicates that there is a significant price undercutting and underselling by the Chinese exporters while the landed value of current imports, without antidumping duty, is compared with the net sales realization and non-injurious price of the domestic industry. There is no indication or valid argument that the price structure of imports from the subject country will change once the duty is revoked. On the contrary, looking at the spare capacity and demand supply position in China, as argued by the domestic industry, there is every likelihood that the price level may further depress causing further injury to the domestic industry, if the duty is revoked.

H. Conclusions

79. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury the authority concludes that:

- i) The subject goods have entered from the Republic of China at less than its normal value and the dumping margins of the subject goods imported from China are substantial and above de minimis;
- ii) There is also a likelihood of dumping to continue from China, if the duties are revoked;
- iii) The domestic industry continues to suffer marginal material injury at present and the cause of the current injury is overwhelmingly due to the volume as well as price effect of the dumped imports from the Republic of China;
- iv) Injury to domestic industry is likely to continue, if the duties are revoked
- v) Therefore, continued imposition of the antidumping duty is warranted against subject goods originating in or exported from China, to offset dumping.

I. Indian industry's interest & other issues

80. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

J. Recommendations

81. In view of positive determination of continuation of dumping, injury and causal links as well as likelihood of dumping and injury on account of imports from Peoples Republic of China, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is required against imports from the subject country. However, considering the current level of dumping from that country and injury suffered by the domestic industry, the Authority is of the opinion that the measure in force needs to be revised. Therefore, Authority considers it necessary and recommends continued imposition of the anti-dumping duty on imports of subject goods from Peoples Republic of China, in terms of Section 9A(5) of the Act, in the form and manner described hereunder.

82. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends continued imposition of definitive anti-dumping duty equal to the margin of injury, which is lesser than the margin of dumping in this case, so as to offset dumping and remove the injury to the domestic industry. The Authority notes that the duty in the original investigation was imposed on fixed duty basis. Therefore, the Authority considers it appropriate to impose the antidumping duty on fixed duty basis and accordingly, recommends imposition of definitive antidumping duty as indicated in Col 9 of the table below, to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China.

K. Further Procedures

83. Any appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

84. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1.	2841.61	Potassium Permanganate <chem>KmnO4</chem>	All Grades	China	Any	M/s Groupstar (Yunnan), Chemicals LLC, China PR	M/s Groupstar (Yunnan), Chemicals LLC, China PR	123.51	MT	US\$
2.	-D0-	-D0-	-D0-	China	Any	Any (other than above)	Any	513	MT	US\$
3.	-Do-	-Do-	-D0-	Any	China	Any (other than above)	Any	513	MT	US\$

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority